राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,7जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -339 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना संकट के बीच अब बर्ड फ्लू के कहर ने बढ़ाई भारत की टेंशन, कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का संकट अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि देश में बर्ड फ्लू के दहशत ने लोगों को एक बार फिर से डरा दिया है। देश के कई राज्यों मसलन मध्य प्रदेश, गुजरात, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और केरल को बर्ड फ्लू ने अपनी चपेट में ले लिया है। देश के विभिन्न राज्यों को बर्ड फ्लू के एच5एन8 स्वरूप (स्ट्रेन) को नियंत्रित करने के लिए अलर्ट कर सैंपल को जांच के लिए भेज दिया गया है। कई राज्यों में कौओ और मुर्गों की मौतें हुई हैं, जबकि कई राज्यों में उन्हें मारना पड़ा है। केरल में तो मुर्गों और बत्तखों को मारना शुरू कर दिया गया है। वहीं, हरियाणा के पंचकूला जिले की फर्म में बीते 10 दिन के दौरान चार लाख से अधिक पोल्ट्री पक्षियों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में फ्लू के मामले रिपोर्ट होने के बाद जम्मू कश्मीर ने अलर्ट घोषित कर दिया है और प्रवासी पक्षियों के नमूने लेने शुरू कर दिए हैं। केरल में पक्षियों के संक्रामक रोग के प्रकोप के बाद पड़ोसी कर्नाटक और तमिलनाडु ने निगरानी बढ़ा दी है और दिशा-निर्देश जारी किए हैं। महाराष्ट्र में बर्ड फ्लू का कोई मामला अब तक सामने नहीं आया है। महाराष्ट्र की सीमा मध्य प्रदेश से लगती है। वहीं, कर्नाटक सरकार ने महाराष्ट्र से लगने वाली सीमा पर स्थित जिलों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिये हैं। तो चलिए जानते हैं कहां कैसे हैं हालात।

केरल में सबसे ज्यादा खौफ- केरल में बर्ड फ्लू के एच5एन8 स्वरूप (स्ट्रेन) को नियंत्रित करने के लिए मुर्गे-मुर्गियों और बत्तखों को मारा जा रहा है। केरल में अलप्पुझा और कोट्टायम में प्रभावित क्षेत्रों के एक किलोमीटर के दायरे में पक्षियों को मारने का अभियान शुरू किया गया। दोनों जिलों से भोपाल की प्रयोगशाला में भेजे गए नमूनों में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के एक दिन बाद यह अभियान शुरू किया गया है। अलप्पुझा जिला प्रशासन ने कहा कि कुट्टनाड क्षेत्र की चार पंचायतों नेदुमुदी, तकाजी, पल्लिप्पद और करुवत्ता में अभियान शुरू किया गया, जिसके बुधवार शाम तक पूरा होने की संभावना है। इन्हीं इलाकों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि अकेले करुवत्ता

पंचायत क्षेत्र में ही करीब 12,000 पक्षियों को मारा जाएगा।

पक्षियों को मारने का अभियान

प्रशासन के मुताबिक, कोट्टायम जिले की प्रभावित नींदूर पंचायत में अब तक करीब 3,000 पक्षियों को मारा जा चुका है। नींदूर के एक बत्तख पालन केंद्र में बर्ड फ्लू के कारण करीब 1,700 बत्तखों की मौत हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए कुट्टनाड क्षेत्र में ही करीब 40,000 पक्षियों को मारा जाएगा। हालात काबू में होने के बावजूद प्रशासन ने जिलों में हाई अलर्ट जारी किया है, क्योंकि यह वायरस मनुष्य को भी संक्रमित करने की क्षमता रखता है। अलप्पुझा के जिलाधिकारी ने कुट्टनाड और कार्थिकपल्ली तालुकाओं में मुर्गी और बत्तख समेत अन्य घरेलू पक्षियों के मांस, अंडों आदि की बिक्री और कारोबार पर रोक लगा दी है।

मध्य प्रदेश में भी खतरा-मध्य प्रदेश के इन्दौर में बर्ड फ्लू की आहट 29 दिसंबर को सुनाई पड़ी थी, जब रेसीडेंसी क्षेत्र के डेली कॉलेज परिसर में करीब 50 कौए मृत पाए गए थे। इनमें से दो कौओं के नमूने की भोपाल की एक प्रयोगशाला में जांच कराई गई तो इनमें एच5एन8 की पुष्टि हुई थी। मध्य प्रदेश के पशु चिकित्सा विभाग के उप संचालक प्रमोद शर्मा ने मंगलवार को बताया, ÷पिछले आठ दिन के दौरान हमें रेसीडेंसी क्षेत्र के आस-पास कुल 155 कौए मरे मिले हैं। हमें लगता है कि इनकी मौत भी बर्ड फ्लू के एच5एन8 वायरस से हुई है क्योंकि इस इलाके के मरे कौओं में इस बीमारी की पुष्टि पहले ही हो चुकी है।÷ मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रेसीडेंसी क्षेत्र के पांच किलोमीटर के दायरे में सर्दी, खांसी और बुखार के लक्षणों वाले मरीजों को खोजने के लिए सर्वेक्षण जारी है, लेकिन अब तक किसी भी मनुष्य में बर्ड फ्लू के एच5एन8 वायरस का संक्रमण नहीं मिला है।

हिमाचल प्रदेश में भी जारी है अलर्ट

हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों ने प्रदेश में पोल्ट्री पक्षियों में संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मंगलवार को कांगड़ा जिले के पोंग डैम लेक अभयारण्य के आसपास के इलाकों का सर्वेक्षण किया। इससे एक दिन पहले मृत प्रवासी पक्षियों के नमूनों में एच5एन8 पाया गया था। हिमाचल प्रदेश के पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इलाके में अबतक 2700 प्रवासी पक्षी मृत मिले हैं। उनके नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।

कश्मीर में सैंपलों की हो रही जांच-हिमाचल प्रदेश में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बीच जम्मू-कश्मीर ने भी अलर्ट जारी किया है। साथ ही सर्दियों के मौसम में केंद्र शासित प्रदेश में आए मेहमान पक्षियों की जांच के लिए नमूने एकत्र करने शुरू कर दिए हैं। जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने बताया कि पशुपालन एवं वन्यजीव विभाग के संयुक्त दलों ने मंगलवार को जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर स्थित घराना वेटलैंड (आर्द्रभूमि) का दौरा किया और जांच के वास्ते 25 पक्षियों के नमूने एकत्र किए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं कोई पक्षी घातक वायरस की चपेट में तो नहीं है?

एप के जरिये लोन देने वाली कंपनियों के खिलाफ जांच में आरबीआइ की मांगी मदद

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने मोबाइल एप के जरिये तत्काल लोन देने वाली कंपनियों के खिलाफ जांच में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) और अन्य एजेंसियों की मदद मांगी है। ये कंपनियां तत्काल कर्ज देने के लिए ज्यादा ब्याज वसूलती हैं और पैसे लौटाने में जरा सी देर पर लोन लेने वालों का उत्पीड़न करती हैं। इनके उत्पीड़न के चलते अब तक पांच लोगों ने खुदकुशी कर ली है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि डाटा का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है, इस माध्यम से होने वाली लेनदेन का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अब तक 21 हजार करोड़ रुपये के 1.4 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए हैं। पुलिस ने इससे पहले कहा था कि विभिन्न पेमेंट गेटवे और इन कंपनियों से जुड़े बैंक खातों के जरिये ट्रांजेक्शन किए गए हैं। बिटक्वाइन के माध्यम से भी बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय ट्रांजेक्शन के प्रमाण मिले हैं। ज्यादातर लेनदेन पिछले छह महीने के भीतर हुई है। अधिकारियों ने कहा कि अभी तक एक पेमेंट गेटवे से उन्हें डाटा मिला है। अन्य पेमेंट गेटवे से डाटा मांगा जा रहा है। एप के जरिये लोन देने वाली कंपनियों के कई बैंक खातों का भी पता चला है, जिनके बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। बता दें कि इस मामले में अब तक पांच चीनी नागरिकों समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। तेलंगाना में तीन और चेन्नई में दो चीनी नागरिकों की गिरफ्तारी हुई थी। ये कंपनियां एप के जरिये लोगों को कर्ज के जाल में फंसाती हैं। कर्ज लेने वालों के फोन से उनके सारे कांटेक्ट और फोटो भी ये कंपनियां ले लेती हैं। कर्ज चुकाने में मामूली देरी पर भी कंपनियों की तरफ से काल सेंटर के जरिये लोगों को परेशान किया जाता है। यही नहीं उनके जानने वालों और रिश्तेदारों को भी कर्ज देने वालों की तरफ से फोन किया जाता है और रकम वसूली के लिए दबाव बनाया जाता है। इसकी वजह से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर समेत अब तक पांच लोग खुदकुशी कर चुके हैं।

ISRO के टॉप वैज्ञानिक तपन मिश्रा का सनसनीखेज दावा-

डोसे की चटनी में जहर देकर, घर में सांप भेजकर हुई मारने की कोशिश

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के एक प्रमुख वैज्ञानिक ने सनसनीखेज दावा किया है। इसरो के शीर्ष वैज्ञानिक तपन मिश्रा ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें तीन साल से अधिक समय पहले जहर दिया गया था। वैज्ञानिक तपन मिश्रा ने आरोप लगाया कि उन्हें 23 मई, 2017 को बेंगलुरु में इसरो मुख्यालय में पदोन्नति साक्षात्कार के दौरान घातक आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड जहर देकर मारने की कोशिश की गई थी। सोशल मीडिया पोस्ट में वैज्ञानिक मिश्रा ने खुलासा किया, 'मुझे दोपहर के भोजन के बाद स्नैक्स में संभवत- डोसे की चटनी के साथ मिलाकर जहर दिया गया था।' इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया कि उन्हें सांप से भी मारने की कोशिश की गई थी। बता दें कि मिश्रा फिलहाल इसरो में वरिष्ठ सलाहकार के तौर पर काम कर रहे हैं और इस महीने के अंत में सेवानिवृत होने वाले हैं। उन्होंने फेसबुक पर 'लॉन्ग केप्ट सीक्रेट' नामक से एक पोस्ट में यह दावा किया कि जुलाई 2017 में गृह मामलों के सुरक्षाकर्मियों ने उनसे मुलाकात कर आर्सेनिक जहर दिये जाने के प्रति उन्हें सावधान किया था। मिश्रा ने बताया कि उनके द्वारा डॉक्टरों को दी गई जानकारी के चलते ही उनका सटीक उपचार हुआ और वह बच सके। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि बाद में उन्हें सांस लेने में कठिनाई, त्वचा का असामान्य रूप से फट जाना, चमड़ी निकला और फंगल संक्रमण सहित कई गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा। अपने फेसबुक पोस्ट में मिश्रा ने यह भी दावा किया कि उन्हें सांप से मारने की भी कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि उनके क्वार्टर में जहरीले सांप छोड़े गए। उन्होंने एम्स के डॉक्टर से इलाज का मेडिकल रिपोर्ट भी सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर साझा किया है। उन्होंने सरकार से इस मामले की जांच की अपील की है। बता दें कि वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अहमदाबाद स्थित अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक के रूप में सेवा दे चुके हैं।

दिल्ली में बारिश के साथ गिरे ओले, सर्द हवाओं में आई तेजी, ठिठुरन बढ़ी

नई दिल्ली। जनवरी महीने के पहले हफ्ते में दिल्ली के मौसम का मिजाज बदला हुआ है। खासतौर पर बीते तीन दिनों से रुक-रुककर दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में बरसात हो रही है। बुधवार की सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों बारिश के साथ ओले गिरे। राजधानी से सटे गुरुग्राम में भी बारिश के साथ ओले पड़े। इस बारिश और ओलावृष्टि से दिल्ली में सर्द हवाओं में तेजी आई है और ठिठुरन बढ़ गई है।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने अपने सुबह के बुलेटिन में राष्ट्रीय राजधानी और पड़ोसी क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की भविष्यवाणी की थी। आईएमडी की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि बुधवार को दिल्ली, गोहाना, गन्नौर, कर्नल, पानीपत, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ (हरियाणा), दादरी, गुलेठी, पिलखुआ, हापुड़, शामली, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद (यू.पी.) मीम, गोहाना, गन्नौर, करनाल, पानीपत, पलवल, चरखादरी, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, रोहतक (हरियाणा), ग्रेटर नोएडा, नोएडा,

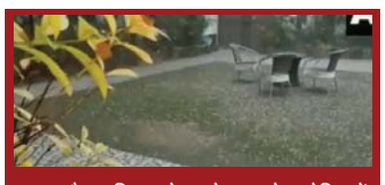

भारत मौसम विभाग ने अपने सुबह के बुलेटिन में राष्ट्रीय राजधानी और पड़ोसी क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की भविष्यवाणी की थी।

दादरी, सिकंद्राबाद, गुलोठी, पिलखुआ, हापुड़, मुजफ्फरनगर, बिजनौर समेत यूपी और हरियाणा के कुछ शहरों में बारिश होने का अनुमान है।

तीन दिन में बरसा सामान्य से दोगुना पानी-दिल्ली में बीते तीन दिनों में ही जनवरी महीने में सामान्य तौर पर होने वाली बरसात से दोगुना पानी बरस चुका है। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में सोमवार की रात और मंगलवार दिन में बरसात हुई। सफदरजंग केन्द्र में सुबह साढ़े आठ बजे तक 4.7 मिलीमीटर बरसात दर्ज की गई। जबकि, दिन में भी 1.3 मिलीमीटर बरसात हुई। दिल्ली के पालम, लोधी रोड, रिज आदि मौसम केन्द्र में भी अच्छी बरसात हुई है।

कल बढ़ सकता है प्रदूषण-केंद्र द्वारा संचालित संस्था सफर का अनुमान है कि हवा की दिशा में बदलाव के चलते अगले दो दिनों में प्रदूषण के स्तर में इजाफा हो सकता है। बुधवार को हवा मध्यम से खराब स्तर पर रहने की संभावना है। जबकि, गुरुवार को यह फिर से खराब या बेहद खराब श्रेणी में पहुंच सकती है।

पांच साल में 60 हजार किलोमीटर नए राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का सरकार का लक्ष्य

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की कठिन परिस्थितियो के बीच केंद्र सरकार ने अगले पांच साल में 60,000 किलोमीटर नए राष्ट्रीय रामजार्ग निर्माण करने का लक्ष्य रखा है। इसमें 22 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, छह इकोनोमिक कॉरिडोर, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण 2000 किलोमीटर बार्डर रोड कनेक्टिविटी आदि शामिल है। इतना ही नहीं लॉकडाउन के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गो का निर्माण कार्य चलता रहा है, जिससे चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के समाप्त होने से पहले सड़क निर्माण के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रायल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से नवंबर तक 6764 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनओं को मंजूरी दी जा चुकी है। जबकि इस समयवधि में 6207 किलोमीटर राजमार्गो का निर्माण किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी पांच वर्षो में 60 हजार किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का लक्ष्य है। इसमें प्रथम चरण में 9000 किलोमीटर इकोनोमिक कॉरिडार बनाए जाएंगे। इन कॉरिडोर में प्रमुख रूप से दिल्ली-लखनऊ, दिल्ली-देहरादून, आगरा-जयपुर, दिल्ली-बिलासपुर, दिल्ली-कानपुर, लखनऊ-सागर, संभलपुर-रांची, सागर-वाराणसी, रायपुर-धनबाद आदि शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि इकोनोमिक कॉरिडोर से देश के उद्योग-धंधो को बेहतर रोड कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके अलावा चीन, पाकिस्तान, बंग्लादेश बार्डर तक रोड़ कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने के लिए सरकार पांच साल में 2000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाएगी। योजना के तहत दो हजार किलोमीटर राजमार्ग निर्माण कर तटीय व बंदरगाह के बीच रोड कनेक्टिविटी तैयार की जाएगी।

घर में रहने वाली महिलाओं के काम को कम आंकने वाली सोच बदलने की जरूरत-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक केस की सुनवाई के दौरान यह कहा कि घर में रहने वाली महिलाओं के काम उनके पति के ऑफिस के काम जितना ही महत्वपूर्ण है। एक मोटर वाहन दुर्घटना के मुआवजे को लेकर हो रही सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सोच कि घर पर रहने वाली महिलाएं काम नहीं करती या फिर वह घर में कोई आर्थिक सहायता नहीं देती, गलत है और अब इससे बाहर आने की जरूरत है। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कार दुर्घटना में जान गंवाने वाले एक दंपती के रिश्तेदारों को मिलने वाले मुआवजे की रकम को बढ़ा दिया। हाई कोर्ट ने इस मामले में मृत महिला की आय इसलिए कम आंकी थी क्योंकि वह गृहणी थी। जस्टिस एनवी रमण की

पीठ ने मोटर वाहन दुर्घटना के पीड़ितों (हाउसवाइव पूनम और उनके पति विनोद) के परिवार को 22 लाख की बजाय 33.2 लाख का मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

अध्यक्षता में तीन जजों की पीठ ने कहा कि गृहणियों की कड़ी मेहनत और श्रम के लिए आर्थिक मूल्य तय करना काफी मुश्किल है लेकिन यह महत्वपूर्ण है। जस्टिस रमण ने कहा साल कि 2011 की जनगणना के मुताबिक, करीब 16 करोड़ महिलाएं घर संभालती हैं। वहीं, घर संभालने वाले पुरुषों की संख्या सिर्फ 60 लाख के आसपास है। हाल ही में आई सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि औसतन महिलाएं हर दिन 299 मिनट तक ऐसे घर के काम करती हैं जिनके लिए उन्हें कोई भुगतान नहीं मिलता, वहीं औसतन पुरुष घर के कामों के लिए 97 मिनट देते हैं। वह खाना बनाती है, राशन या अन्य जरूरी चीजें खरीदती हैं, घर साफ और व्यवस्थित करती है, साज-सजावट का ध्यान रखती है, खरखाव की जिम्मेदारी लेती है और घर के बच्चों और बड़े-बुजुर्गों को सभी संभालती है। जस्टिस रमण ने कहा, इन सबके बावजूद यह सोच कि गृहणियां काम नहीं करती या फिर घर में आर्थिक मदद नहीं देती, गलत है और सालों से चली आ रही इस सोच से अब निकलने का समय है। पीठ ने मोटर वाहन दुर्घटना के पीड़ितों (हाउसवाइव पूनम और उनके पति विनोद) के परिवार को 22 लाख की बजाय 33.2 लाख का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। हाई कोर्ट ने यह रकम 22 लाख रुपये तय की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आदेश देते वक्त अदालतों को घर पर रहने वाली महिलाओं के अप्रत्यक्ष आर्थिक योगदान को भी ध्यान में रखना चाहिए। उनके काम किसी परिवार की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अब इन्हें पहचान देने की जरूरत है।

3 फेज में अभियान और 30 करोड़ लाभार्थी, आप तक कैसे पहुंचेगी वैक्सीन

नई दिल्ली। ब्रिटेन वाले नए वायरस के दहशत के बीच देश कोरोना वैक्सीन की टीकाकरण प्रक्रिया को लेकर अब पूरी तरह तैयार है। देश में सबसे पहले 30 करोड़ लोगों को टीका दिया जाएगा, जिनमें फ्रंट लाइन वर्कर्स मसलन स्वास्थ्य कर्मचारियों से लेकर सुरक्षा जवान, 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग और पहले से बीमार इत्यादि शामिल हैं। सरकार ने टीकाकरण को लेकर पूरा खाका तैयार कर लिया है और जैसे ही वैक्सीन की खरीद की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, टीकाकरण अभियान भी शुरू हो जाएगा। केंद्र सरकार के अधिकारियों की मानें तो अगले सप्ताह से देश में दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने टीकाकरण प्रक्रिया की पूरी जानकारी देते हुए कहा कि पहले चरण में वैक्सीन मैन्युफैक्चरर्स (निर्माता) केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे प्राइमरी वैक्सीन स्टोरों में टीकों को हवाई मार्ग से पहुंचाएंगे, जिन्हें सरकारी मेडिकल डिपो भी (जीएमएसडी) कहा जाता है।। वर्तमान में देश में इस तरह के चार डिपो हैं- करनाल, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में एक-एक। इन डिपो से फिर विभिन्न राज्यों में फैले 37 स्टेट वैक्सीन स्टोरों में रेफ्रिजरेटेड वैन के जरिए टीकों की डिलीवरी की जाएगी। वहां से यह राज्य सरकारों या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार वैक्सीन के स्टॉक को तैनात करें। इसके बाद राज्य के स्टोरों से जिला वैक्सीन स्टोरों को वैक्सीन भेजी जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया की डिजिटल तरीके से निगरानी होगी। उन्होंने अभियान के दूसरे हिस्से के बारे में बताया कि ड्राइव का दूसरा हिस्सा वैक्सीन उम्मीदवारों की पहचान और पंजीकरण के साथ-साथ खुराक देने का होगा। उन्होंने कहा कि हेल्थ केयर और फ्रंट लाइन वर्कर्स रजिस्ट्रेशन यानी अपनी जानकारी दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि उनकी जानकारी पहले से ही उनके विभागों के जरिए सरकार के पास मौजूद है और कोविन ऐप में भी दर्ज कर लिए गए हैं। 50 साल से अधिक उम्र के लोगों और बीमारी वाले लोगों को रजिस्ट्रेशन की जरूरत होगी। एक ओर जहां सरकार 300 मिलियन यानी 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन देने के लिए टीका बनाने वाली कंपनियों से खरीद की प्रक्रिया में है, वहीं दूसरी ओर सरकार लोकल स्तर तक टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए डिलीवरी मैनेजमेंट से लेकर वैक्सीन को मुहैया कराने के तरीकों पर काम कर रही है। तो चलिए जानते हैं भारत सरकार ने किस तरह की तैयारी की है और सबसे पहले 30 करोड़ लोगों को कैसे वैक्सीन लगेगी। यहां ध्यान देने वाली बात है कि पहले 30 करोड़ लोगों को टीका देने का अभियान तीन चरणों से होकर गुजरेगा, जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

पहला चरण-ट्रांसपोर्ट ऑफ वैक्सीन

1. कोरोना वैक्सीन के टीके को कंपनी के उत्पादन केंद्र से एयर ट्रांसपोर्ट के जरिए प्राइमरी वैक्सीन स्टोर में ले जाया जाएगा।

2. प्राइमरी वैक्सीन स्टोर से फिर रेफ्रीजेरेटर वाले वाहनों से वैक्सीन को स्टेट वैक्सीन सेंटर पर पहुंचाया जाएगा।

3. स्टेट वैक्सीन सेंटर से फिर रेफ्रीजेरेटर वाले वाहनों के जरिए डिस्ट्रिक्ट वैक्सीन स्टोर पहुंचाया जाएगा।

4. डिस्ट्रिक्ट वैक्सीन स्टोर से फिर टीकों की डिलीवरी प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर होगी। क्योंकि वैक्सीन को एक उचित तापमान की जरूरत है, इसलिए पूरी डिलीवरी प्रक्रिया में रिफ्रीजेरेटर वाले वाहनों का ही प्रयोग होगा।

दूसरा चरण-पहचान करना और खुराक देना

1. प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर रखे टीकों को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सब सेंटर या जहां टीकाकरण होना है, पहुंचाया जाएगा।

2. टीकाकरण के लिए पहले लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। (हेल्थ कर्मी और जवानों को छोड़कर)

3. उसके बाद टीकाकरण के लिए समय दिया जाएगा।

4. तब जाकर लाभार्थी को वैक्सीन लगेगी।

तीसरा चरण-टीका लगने के बाद फॉलो-अप

1. टीका लगने के बाद लाभार्थी को संदेश प्राप्त होगा

2. यूनिक हेल्थ आईडी मिलेगी

3. क्यूआर कोड बेस्ड सर्टीफिकेट भी मिलेगा

4. टीका लगने के बाद किसी तरह के साइड इफेक्ट को लेकर लाभार्ती से सरकार के आदमी सूचना लेते रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अब बर्ड फ्लू की आहट

कोविड-19 और उसके नए स्ट्रेन के भारत पहुंचने को लेकर देश की चिंताएं अभी थमी भी न थीं कि बर्ड फ्लू से जुड़ी खबरों ने देशवासियों को एक नई उलझन में डाल दिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर, मंदसौर और राजस्थान के झालावाड़ से पक्षियों के मरने की खबर और जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि के बाद अब इसका दायरा हिमाचल से लेकर केरल तक फैल चुका है। हिमाचल में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी इन दिनों पोंग डैम झील में उतरते हैं, अब तक वहां लगभग 1,800 ऐसे पक्षियों के मरने की सूचना है। केरल में अलप्पुझा और कोट्टायम जिलों में मृत बत्तखों में एच5एन1 की पुष्टि के बाद सभी जिलों को अलर्ट कर दिया गया है। अब तो वहां इसे आपदा घोषित कर दिया गया है और राज्य में कंट्रोल रूम सक्रिय भी हो गए हैं। केरल की इस तत्परता की सराहना की जानी चाहिए। अपनी इसी सजगता के कारण वह कोविड-19 के मामले में भी मृत्यु-दर को थामने में बहुत हद तक सफल रहा है। बर्ड फ्लू कोई नई आपदा नहीं है, लेकिन इसकी प्रकृति को देखते हुए यह वक्त बहुत खतरनाक है। यह वायरस कितना घातक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंसान के इससे संक्रमित होने के बाद मृत्यु-दर लगभग 60 फीसदी आंकी गई है। इंसान से इंसान में आसानी से संचरण की प्रकृति भी इसको खतरनाक बनाती है, इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया भर के देशों को इसे लेकर आगाह करता रहता है कि ऐसी कोई भी नौबत सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बेहद गंभीर साबित होगी। संतोष की बात है, अभी पोल्ट्री फॉर्म के स्तर पर किसी तरह के संक्रमण की सूचना नहीं मिली है, मगर केंद्र समेत तमाम राज्य सरकारों को अपनी निगरानी बढ़ानी होगी। स्वाभाविक रूप से सर्दियों में पोल्ट्री उत्पादों की खपत काफी बढ़ जाती है और ऐसे में कोई भी लापरवाही भारी साबित हो सकती है। वैसे भी, जिस मोड़ पर दुनिया खड़ी है, वहां इलाज से बेहतर एहतियात का सूत्र ही अभी कारगर साबित हो रहा है। किसी भी प्रकार की दहशत में आए बिना सरकार और तंत्र के लिए यह जरूरी है कि लोगों को बर्ड फ्लू के बारे में जागरूक किया जाए। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, यदि पोल्ट्री उत्पादों को 70 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में अच्छी तरह से पकाकर खाया जाए, तो वह भोजन सुरक्षित है। कच्चे या अधपके मांसाहार के लिहाज से यह वायरस विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत में भी खान-पान के मामले में नित नए-नए प्रयोग होने लगे हैं, इसलिए सावधानी की जरूरत अब पहले से कहीं ज्यादा है। हमारा स्वास्थ्य ढांचा कोरोना महामारी के कारण पहले ही काफी दबाव में है। देश इस समय इसके टीकाकरण अभियान की तैयारियों में जुटा है। ऐसे में, बर्ड फ्लू की चुनौती को गंभीरता से लिए जाने की जरूरत है। प्रशासनिक चौकसी से जुड़े लोगों के साथ-साथ नागरिक समाज, खासकर पोल्ट्री उद्योग से जुड़े लोगों की यह जिम्मेदारी है कि पक्षियों की असामान्य मौत की सूचना वे तुरंत अधिकृत विभाग को दें। देश को उनकी सतर्कता, तत्परता और कर्तव्यपरायणता की इस वक्त सबसे अधिक जरूरत है। कोरोना के प्रकोप से हम पहले ही जान-माल का काफी नुकसान उठा चुके हैं, और अब किसी तरह की कोई भी भूल अपराध ही कहलाएगी।

आज के ट्वीट

वैक्सीन

दुनिया वैक्सीन बनाने में लगी है और हम थाली बजाने में..तो जान लो आज दुनिया के 100 से ऊपर देश भारत से वैक्सीन मांग रहे हैं.

-- प्रिया केसरी

बाजार भरोसे खेती को छोड़ने के जोखिम

देविंदर शर्मा

हम सबको चॉकलेट खाना पसंद है लेकिन अगली बार जब आप चॉकलेट का ग्रास लें तो यह याद करिएगा कि कोको की खेती करने वाले एक किसान की औसत दिहाड़ी उस मूल्य से भी कम है जो आपके हाथ में मध्यम आकार की चॉकलेट बार की होती है। पश्चिमी अफ्रीका के कोको किसान की दैनिक आय महज 100 रुपये (1.3 डॉलर) बैठती है! दुनिया में इस समय में जो 210 खरब डॉलर वाला वैश्विक कनफैक्शनरी उद्योग दिन दोगुनी-रात चौगुनी तरक्की कर रहा है, उसमें चॉकलेट से बने उत्पादों का हिस्सा काफी ज्यादा है। चॉकोलेट बैरोमीटर नामक संस्था की द्विवार्षिक रिपोर्ट-2020 दर्शाती है कि मौजूदा बाजारचालित व्यापार मॉडल में कोको की उच्च उत्पादन मात्रा के बूते प्रफुल्लित चॉकलेट उद्योग खुद तो काफी मुनाफा कमा रहा है किंतु कोको की खेती में लगे लगभग 50-60 लाख किसान निरंतर गरीबी की अवस्था में बने हुए हैं। बाजार कीमतों पर उनकी निर्भरता को खत्म कर यदि कोको किसानों को अपने उत्पाद का केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य मिल जाए तो भी लाखों-लाख कृषक गरीबी, भुखमरी और कुपोषण से निजात पा सकेंगे। ब्रिटेन में दूध विपणन बोर्ड, जो दूध की कीमत और व्यापार को नियंत्रित करता था, को खत्म करने के बाद डेयरी फार्मों की संख्या बहुत कम रह गई है। जहां वर्ष 1995 में तकरीबन 40000 डेयरी फार्म थे वहीं 2020 में घटकर 8,130 रह गए हैं। हालांकि दुग्ध उत्पादक चाहते थे कि मूल्य नियंत्रक व्यवस्था कायम रहे, किंतु बाजार-अर्थशास्त्रियों की सोच विपरीत थी। 1994 से 2020 के बीच दूध की बाजार कीमतें 28 फीसदी कम हो गईं और 2015 में एक समय ऐसा भी आया जब मूल्य 40 फीसदी से ज्यादा गिर गया था, दुग्ध उत्पादक अपनी लागत भी नहीं निकाल पाए। इस प्रक्रिया में खेती आधारित जीवनयापन के तहस नहस होने से पैदा हुई किसान की त्रासदी को छिपा दिया गया। एक ब्रिटिश किसान के शब्दों में 'हर किसान कर्ज के लगातार बढ़ते ऐसे दुष्चक्र में तब तक फंसता जाता है जब तक कि दीवालिया न हो जाए, फिर उसके पास या तो आत्महत्या करने या फिर आमदनी का कोई और जरिया ढूंढ़ने के सिवा और कोई चारा नहीं रहता।' जो कुछ ब्रिटेन में हुआ, और यूरोप में भी, वह कोई अकेला नहीं है। अमेरिका तक में पिछले दो दशकों में 50 फीसदी डेयरी फार्म गायब हो चुके हैं। अमेरिकी कृषि विभाग के मुताबिक लाइसेंसशुदा डेयरी फार्मों की संख्या वर्ष 2003 में 70000 से घटकर 2019 में 34,000 रह गई है। छोटे किसानों (दुग्ध उत्पादकों) ने इस धंधे से तौबा कर ली, इनकी जगह भीमकाय डेयरी उद्योगों ने ले ली है। नतीजतन, छोटे दुग्ध उत्पादकों का धंधा बंद होने के बावजूद दूध उत्पादन काफी बढ़ गया। यह वह स्थिति है, जिसे वाकई भारत अपने यहां दोहराना नहीं चाहेगा। ऐसे देश में जहां 50 फीसदी जनसंख्या कृषि में लिप्त है और जिसका दुग्ध उत्पादन विश्व में सबसे ज्यादा हो, भारत को अगर कुछ चाहिए तो वह है जन-कृषि उत्पादक व्यवस्था जहां छोटा किसान भी सुनिश्चित मूल्य निर्धारण तंत्र के जरिए पाई आमदनी से अपने लिए एक सम्माननीय जिंदगी जी सके। उम्मीद के मुताबिक ब्रिटेन में मुक्त मंडी व्यवस्था ने खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों को फायदा दिया और छोटे डेयरी मालिक धंधे से बाहर हो गए। इससे शुरू हुआ फालतू उत्पादन वाला दुष्चक्र, जिसने बाजार कीमतें और नीचे कर दीं। वहां सप्लाई चेन में विसंगतियों को दूर करने का मूल उपाय करने की बजाय, जिससे कि दुग्ध उत्पादक को एक न्यूनतम मूल्य मिल पाता, आयरलैंड समेत यूरोप और अमेरिका ने घाटा खाए किसानों के गुस्से को शांत करने के लिए वक्ती तौर पर अस्थाई राहत पैकेज देने जैसे कदम अपनाए। इस तरह किसानों द्वारा नाजायज कीमतों का जो विरोध होना शुरू हुआ था, वह अभियान आज तक उचित मूल्य दिलवाने के लिए जारी है। इतना ही नहीं, सरकार द्वारा इन देशों में विश्व व्यापार संगठन के नाजायज कृषि समझौते पर सहमति देने से डेयरी मालिकों की त्रासदी कई गुणा बढ़ा गई, जिसके तहत यूरोपियन देशों के बहुत ज्यादा सब्सिडी प्राप्त फालतू दुग्ध उत्पादों को विकासशील देशों में 'उड़ेल' देने को इजाजत मिल गई।

विकसित देशों में वस्तु-विशेष पर 5 फीसदी सब्सिडी देने के नियम को दरकिनार करते हुए यूरोपियन यूनियन के देशों ने दुग्ध उत्पादकों के स्किम्ड मिल्क पाउडर पर 67 प्रतिशत तक सब्सिडी दे डाली, इससे सस्ते बन गए उत्पादों का अंबार विकासशील देशों में लगाना आसान हो गया। इस प्रक्रिया में दोनों छोर के छोटे डेयरी किसानों को नुकसान हुआ। यानी विकसित और विकासशील मुल्कों में, दोनों जगह। कोई हैरानी नहीं कि ऐसे वक्त जब भारत में मुख्यधारा के अर्थशास्त्री मुक्त मंडी वाली व्यवस्था को लेकर इसलिए उत्साहित हो रहे हैं कि इससे कृषि जगत की आमदनी बढ़ेगी, ठीक उसी समय कनाडा के किसान अपने जीवनयापन को सुरक्षित करने हेतु संरक्षण की मांग कर रहे हैं। पूर्वी कनाडा की तीन मुख्य किसान यूनियनों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में अपने देश के किसानों को 32 खरब डॉलर की सब्सिडी देने को लेकर आशंकित होकर इसे अपने वजूद के लिए खतरा बताया है, क्योंकि सस्ते अमेरिकी कृषि उत्पादों का आयात होने से उनका माल धरा रह ज
कहना है 'किसानों को उत्पाद का लागत मूल्
वाला निजाम बनाना ही होगा वरना उनमें से अ
समय तक इस व्यवसाय में नहीं रह पाएंगे।
अमेरिका के सूरत-ए-हाल देखें, आज वहां
जो समृद्धि दिखाई दे रही है, वह दरअसल
सब्सिडी वाले सरकारी संबल की वजह से है।
करने को कि छोटा किसान गायब न होने पाए,
पांचवें साल नया कृषि कानून सुधार लेकर
2018 वाले कानून में अगले दस सालों के लि
डॉलर की मदद राशि रखी है ताकि अनेकाने
कृषि आय बढ़ने के साथ नागरिक पौष्टिकता यं
में लाई जा सकें। किसानों को मंडी भावों के उ
रहमो-करम पर छोड़ने की बजाय अमेरिका
रिस्क कैम्पेन (कृषि जोखिम बचाव) और
कवरेज (मूल्य अवनति भरपाई) कार्यक्रमों
कृषि कानून में शामिल किया है। इन दोनों
उद्देश्य किसानों को वाजिब बाजार मूल्य मिल पा
भुगतान संबंधी घाटे की भरपाई करना है और
के लिए लागू है, जिसमें गेहूं, जई, ज्वार, कुसुम
मक्का, चावल, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज, रेप
अलसी, सरसों, तिल, कपास बीज, सूखे मटर,
बड़ा चना, मूंगफली इत्यादि हैं। इसके अला
आपदाओं, फसल बीमा, ढांचा संबंधी अतिरि
पर्यावरणीय मुसीबतों से उबारने हेतु अने
योजनाएं भी लागू हैं। यहां तक कि चीन में
व्यवस्था कृषि आय बढ़ाने में नाकामयाब रह
अपने कृषि क्षेत्र को वर्ष 2016 में 212 ख
सब्सिडी मुहैया करवाई थी, जो विश्वभर में सब
अगर दुनिया के सबसे बड़ी कृषि वाले इन दो
को अहसास हो गया है कि मुक्त मंडी व्यवस्था
बढ़ाने में अक्षम रही है तो भारत को भी अ
अवश्य पुनर्विचार करना चाहिए।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

ज्ञान गंगा

सच्ची सफलता

सद्गुरु

दुनिया के मुताबिक, सफलता का मतलब है कि आप अपने बगल में दौड़ रहे किसी व्यक्ति से थोड़ा तेज भाग रहे हैं। मेरी सफलता की परिभाषा ये नहीं है। मेरे लिए, सफलता है, 'क्या मैं खुद को पूरी तरह से इस्तेमाल कर पा रहा हूं? मैं जो हूं, क्या मैं उसकी क्षमता की पूरी संभावना को खोज पा रहा हूं?' इसके लिए आपको बोध और एक सक्रिय बुद्धि की जरूरत होती है। 'मैं अपनी बुद्धि को कैसे बढ़ाऊं?' इसकी चिंता मत कीजिए। लोग अपने मन की क्षमता को बढ़ाने की कोशिश करते हैं। यह आपको सामाजिक तौर पर सफल बना सकता है, वास्तव में सफल नहीं। फिलहाल अपने बोध को बढ़ाना सबसे महत्वपूर्ण है। अगर आप बिना तोड़े-मरोड़े जीवन को उसके वास्तविक रूप में देख पा रहे हैं, तो आपके पास उसे अच्छी तरह चलाने के लिए जरूरी बुद्धि है। आप जीवन को आनंदपूर्वक और निश्चित रूप से अच्छी तरह भी चला सकते हैं। अगर आप उसे अच्छी तरह चलाते हैं, तो लोग कहेंगे कि आप सफल हैं। एक बार ऐसा हुआ, शॉक होम्स और वाट्सन पहाड़ में कैंपिंग करने गए। रात हुई तो वे सोने चले गए। आधी रात को, शलरेक होम्स ने वाट्सन को हिलाया और वाट्सन ने अपनी आंखें खोलीं। शलरेक होम्स ने उससे पूछा, 'आप क्या देख पा रहे हैं?' वाट्सन ने ऊपर देखा और कहा, 'मैं साफ आसमान और तारे, ढेर सारे तारे देख रहा हूं।' शलरेक होम्स ने पूछा, 'आपके लिए इसका क्या मतलब है?' वाट्सन ने जवाब दिया, 'इसका मतलब है कि कल एक और अच्छा, गर्म और उजला दिन होगा। आपके लिए इसका क्या मतलब है?' होम्स ने कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब है कि किसी ने हमारा टेंट चुरा लिया है।' आप अपने जीवन के हर पहलू से सफलतापूर्वक सिर्फ तभी गुजर सकते हैं, जब आप जीवन को उस रूप में देखते हैं, जैसा वह है। सफलता का मतलब है कि आप दूसरों से तेज चल रहे हैं। अगर आप दूसरों से तेज चल रहे हैं और आपका बोध अच्छा नहीं है, तो निश्चित रूप से आप दूसरों से अधिक परेशान और थके हुए होंगे क्योंकि आप हर चीज से टकराएंगे। अगर आप सफलतापूर्वक कोई चीज करना चाहते हैं, तो आपकी डिग्री का कोई महत्व नहीं है। वो इस पर निर्भर करता है कि आपके आस-पास की वास्तविकताओं का आपका बोध कितना स्पष्ट है।

आज का राशिफ

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशाती
मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेग
उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के
पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवा
आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास
कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेग
भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मका
वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल
के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी
तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती
नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समा
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों
मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्र
प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचा
हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी
आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षि

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उस
होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संता
की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाण
बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मि
या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी।
मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल
प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।
या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकत
या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी
होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी व
या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामल
होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समा
व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशाती
मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्था
अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व
लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपे

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, प
वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की
राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा
स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व

बहुधंधी सदा दुःखदायी

- डॉ. दीपक आचार्य

जीवन और जगत का प्रत्येक कर्म एक निश्चित समय सीमा, स्थान और प्रभाव पर ही महत्व रखता है। समय और स्थान की अवहेलना या उपेक्षा की स्थिति में कर्म अपना प्रभाव क्षीण कर देता है और गुणवत्ता पर विपरीत असर पड़ता है। इसीलिए दुनिया में प्रत्येक कर्म विशेष के लिए पृथक-पृथक समूहों को दायित्व सौंपा जाता रहा है। यह परम्परा सदियों से अनवरत् रूप से चली आ रही है। इसी प्रकार विभिन्न विषयों में दक्ष व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के समूहों को कार्य विशेष का दायित्व दिया जाता रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक और उसके बाद भी एक-दो दशकों तक लोगों का लगाव परिश्रम, ईमानदारी, सेवा, परोपकार और गुणवत्ता से कार्य संपादन के प्रति रहा लेकिन परवर्ती वर्षों में इंसान में गुणवत्ता का उत्तरोत्तर ह्रास होता गया और गुणवत्ता तथा सेवा एवं मानवीय मूल्यों की बजाय खुदगर्जी और क्षुद्र स्वार्थ हावी होने लगे, हर व्यक्ति द्वीप की तरह रहने और जीने का आदी होता गया, समुदाय, क्षेत्र व राष्ट्र के प्रति वफादारी और सेवा भाव से अधिक तवज्जो वैयक्तिक स्वार्थ को देने की आदत ऐसी विकसित होती चली गई कि आज आदमी अच्छा इंसान होने और सच्चे मनुष्य के रूप में प्रतिष्ठित होने की बजाय लाभ-हानि की गणित को अपनाकर इस तरह व्यवहार करता है कि जैसे वह कोई ठेलागाड़ी, कियोस्क या फिर छोटी-मोटी दुकान ही हो। और पूंजीपति लोगों की स्थिति किसी मॉल, वृहद् प्रतिष्ठान, सेल या कंपनी जैसी हो गई। इंसान का हर दिन उगता है नफे और नुकसान की गणित और भावी संभावनाओं को लेकर। केवल और केवल इसलिए आदर, सम्मान और श्रद्धा देते हैं ताकि वक्त आने पर काम आ सकें। लेकिन इन बहुसंख्यकों का भ्रम ही है कि ये बड़े लोग किसी के काम आएंगे। जो जितना बड़ा होता है उसका पेट उतना ही बड़ा होता चला जाता है। और इसी अनुपात में भूख भी। आजकल धर्म, कर्म और फर्ज से कहीं ज्यादा हम सभी आत्म केन्द्रित होते जा रहे हैं। किसी को औरों के लिए फुर्सत नहीं है। न घर-परिवार, समाज और क्षेत्र के लिए, न देश के लिए। इन सभी को लगता है कि भगवान ने धरती पर केवल पैसे कमाने के लिए ही भेजा है और जिन्दगी भर उल्लूओं की तरह पैसा बनाओ, औरों को उल्लू बनाते हुए जमा करो और खुद को वैभवशाली सिद्ध करते हुए एक दिन सब कुछ यहीं छोड़-छुड़ाकर अतृप्त वासनाओं और कामनाओं के साथ लौट जाओ। हर जगह से सब कुछ अपने हक में अपने नाम से जमा करने के फेर में इंसान जिन्दगी भर जाने कितने धंधों और क्षेत्रों में घुसपैठ कर लेता है और हर तरफ वह खुद ही खुद को देखना चाहता है। बुद्धिजीवियों की एक खास प्रजाति आजकल नज़र आती है जो काम-काज, सेवा और परोपकार के बहाने हर कहीं घुस जाती है और अपना नाम दर्ज करा लेती है। लेकिन दुर्भाग्य है कि ये लोग केवल नाम मात्र के सहयोगी या अंग होते हैं। ये केवल अपने उल्लू सीधे करने, प्रचार माध्यमों में बने रहने तथा लोकप्रियता पाने के लिए ही संस्थाओं और समूहों में घुसपैठ बनाए रखते हैं। इससे इनके अपने काम-धंधों और व्यवसायों को सम्बल मिलता रहता है। आजकल सभी जगह यह बीमारी अधिक परिमाण में देखी जा रही है। यही कारण है कि संस्थाओं, समूहों और आंचलिक रचनात्मक गतिविधियों की उपादेयता और उपयोगिता जमाने में किसी भी काम विशेष के लिए उससे संबंधित हुनर और कर्म में दक्ष व्यक्ति को ही काम सौंपा जाता था। इसके अलावा उससे किसी भी प्रकार का काम नहीं लिया जाता था। वह व्यक्ति भी अपने स्व कर्म तक केन्द्रित रहकर पूरे समर्पण भाव से अपने कर्म की गुणवत्ता पर ही ध्यान रखा करता था। और इसका असर यह होता था कि हुनर या कर्म विशेष में उसकी दक्षता का लोहा सभी मानते थे। कालान्तर में अधिक से अधिक कमाने और जमा करने तथा लोकप्रियता और प्रभाव में अप्रत्याशित वृद्धि की गरज से लोगों ने अपनपी सारी मर्यादाओं को तोड़कर सभी जगह पाँव पसारने और हाथ फैलाने शुरू कर दिए। इसका विपरीत प्रभाव यह पड़ा कि वह किसी भी कर्म विशेष में दक्षता प्राप्त कर पाने की स्थिति में नहीं रहे और हर मामले में फिसड्डी ही साबित हुए। इसका नुकसान समाज और क्षेत्र को हो रहा है। आजकल हर क्षेत्र में बहुधंधी लोगों का जमावड़ा हो रहा है जो सारे के सारे काम ओढ़ लिया करते हैं किन्तु एक भी काम ढंग से पूरा नहीं कर पाते। कई सारे काम आधे-अधूरे ही छोड़ दिया करते हैं। कर्म क्षेत्र में ऐसे बहुधंधी लोगों के कारण से वांछित सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही है। चयन कर उसी में पूरी तरह रमे रहकर चरम दक्षता हासिल करें न कि सभी जगह टाँग फँसाने में रुचि लें। जहाँ कहीं ऐसे बहुधंधी लोग विद्यमान रहते हैं वहाँ कर्मयोग में विफलता की आशंका बनी रहती है। जिन लोगों के पास बहुत सारे काम हों, उन्हें जिम्मेदारी वाला कोई गंभीर कार्य न सौंपें बल्कि इनसे सामान्य कार्यों की ही अपेक्षा करें वरना कबाड़ा होना तय है। कहा भी जाता है कि जो सबका है, वह किसी का नहीं होता। अक्सर देखा यही गया है कि बहुधंधी लोगों का जमावड़ा हमेशा दुःखदायी ही रहता है।

कोई भी काम करने-कराने से पहले यह अच्छी तरह गाँठ बाँध लें कि बहुधंधी लोगों के भरोसे न रहें। इन पर भरोसा करना विफलता और प्रतिष्ठा हानि को आमंत्रित करने वाला ही रहता है। इनके भरोसे रहने का अर्थ है काम बिगाड़ना या विलम्ब होना। इस

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनसीआर में 2020 में मकानों की बिक्री 50 प्रतिशत गिरी, आठ प्रमुख शहरों में मांग 37 प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली, प्रॉपर्टी सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली-एनसीआर) में आवासीय बिक्री बीते वर्ष के दौरान सालाना आधार पर 50 प्रतिशत घटकर 21,234 इकाई रह गई। नाइट फ्रैंक ने अपनी रिपोर्ट 'इंडिया रियल एस्टेट - आवासीय और कार्यालय अपडेट, दूसरी छमाही 2020' में कहा कि 2020 में आठ प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्तियों की बिक्री घटकर 1,54,534 इकाई रह गई, जो इससे पिछले साल 2,45,861 इकाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक सभी आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री में गिरावट आई, जिसमें अहमदाबाद में मांग में सबसे गिरावट और पुणे में सबसे कम गिरावट रही। आंकड़ों के अनुसार पुणे में बीते साल आवासीय बिक्री 18 प्रतिशत घटकर 26,919 इकाई रह गई, जो इससे पिछले साल 32,809 इकाई थी। इसी तरह मुंबई में बिक्री 20 प्रतिशत घटी। रिपोर्ट में कहा गया कि संपत्तियों के पंजीकरण पर अस्थायी रूप से स्टांप शुल्क में कटौती के बाद 2020 के अंतिम चार महीनों के दौरान मुंबई और पुणे में बिक्री बढ़ी। दिल्ली-एनसीआर में 2020 के दौरान आवासीय बिक्री 50 प्रतिशत घटकर 21,234 इकाई रह गई, जो इससे पिछले साल में 42,828 इकाई थी। समीक्षाधीन अवधि के दौरान बेंगलुरु में मांग 51 प्रतिशत घटकर 23,079 इकाई रह गई। आवासीय बिक्री के लिहाज से अहमदाबाद सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ और यहां बिक्री 61 प्रतिशत घटकर 6,506 इकाई रह गई।

मंत्रिमंडल ने जापान के साथ कुशल कामगारों से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, सरकार ने बुधवार को भारत और जापान के बीच कुशल कामगारों के क्षेत्र में सहयोग को संस्थागत रूप देने से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर को मंजूरी दे दी। इसके तहत अनिवार्य कौशल प्राप्त और जापानी भाषा की परीक्षा पास करने वाले कुशल भारतीय कामगारों को जापान में निर्धारित क्षेत्रों में काम करने का मौका मिलेगा। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में भारत सरकार और जापान सरकार के बीच निर्दिष्ट कुशल कामगार से संबंधित सहयोग से जुड़े एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की स्वीकृति दे दी गई। बयान के अनुसार, '' मौजूदा समझौता ज्ञापन भारत और जापान के बीच भागीदारी और सहयोग को लेकर एक संस्थागत व्यवस्था की स्थापना करेगा। इसके तहत जापान में 14 निर्दिष्ट क्षेत्रों में काम करने के लिए ऐसे कुशल भारतीय कामगारों को भेजा जाएगा जिन्होंने अनिवार्य कुशलता योग यता प्राप्त कर ली है और जापानी भाषा की परीक्षा पास कर ली है।'' इन भारतीय कामगारों को जापान सरकार की ओर से 'निर्दिष्ट कुशल कामगार' नाम की एक नई सामाजिक स्थिति (न्यू स्टेटस ऑफ रेजिडेंस) प्रदान की जाएगी। बयान के अनुसार सहयोग समझौता ज्ञापन (एमओसी) के अंतर्गत एक संयुक्त कार्य बल का गठन किया जाएगा जो इस एमओसी का अनुपालन सुनिश्चित करेगा। इस समझौते से नर्सिंग देखभाल, इमारतों की सफाई, सामग्री प्रसंस्करण उद्योग, औद्योगिक मशीनरी विनिर्माण उद्योग, इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक सूचना संबंधित उद्योग, निर्माण, पोत निर्माण एवं पोत से संबद्ध उद्योग, वाहनों का रखरखाव, विमानन जैसे 14 क्षेत्रों में कुशल भारतीय कामगारों के लिए जापान में रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

बाजार में 10 दिन की तेजी पर लगा विराम, सेंसेक्स 264 अंक टूटा

मुंबई.

शेयर बाजार में पिछले 10 कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर बुधवार को विराम लग गया और बीएसई सेंसेक्स 264 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और इन्फोसिस की अगुवाई में यह गिरावट आयी। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 48,616.66 अंक तक चला गया था। लेकिन बाद में तेजी बरकरार नहीं रही और यह 263.72 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,174.06 अंक पर बंद हुआ।इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 53.25 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,146.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 14,244.15 अंक की रिकार्ड ऊंचाई तक चला गया था।सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान आईटीसी को हुआ। इसमें करीब 3 प्रतिशत की गिरावट आयी। इसके अलावा जिन प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एचयूएल और एचसीएल टेक शामिल हैं। दूसरी तरफ जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीतिक मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव और सुधार का मुख्य कारण जार्जिया (अमेरिका) में दो सीनेट सीटों के लिये हुए चुनाव के परिणाम डेमोक्रेट्स के पक्ष में जाना है। उन्होंने कहा, ''सीनेट में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होने से अमेरिका में निम्न कर की दर की स्थिति बदल सकती है। इससे बाजार में कुछ हद तक उतार-चढ़ाव आ सकता है।'' कारोबारियों के अनुसार इसके अलावा रिकार्ड स्तर पर मुनाफावसूली से भी बाजार नीचे आया। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग में तेजी रही जबकि जापान में निक्की और दक्षिण कोरिया में कोस्पी नुकसान में रहे। यूरोप में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख रहा।इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.13 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

आयकर विभाग ने चार जनवरी तक 1.41 करोड़ करदाताओं को 1.64 लाख करोड़ रुपये का रिफंड दिया

नयी दिल्ली.

आयकर विभाग ने बुधवार को कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष में अभी तक 1.41 करोड़ करदाताओं को 1.64 लाख करोड़ रुपये का रिफंड दिया है। इसमें व्यक्तिगत आयकर रिफंड के रूप में 53,070 करोड़ रुपये की राशि शामिल है, जबकि इस दौरान कॉरपोरेट कर रिफंड के रूप में 1.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी गई है। आयकर विभाग ने ट्वीट किया, ''सीबीडीटी ने एक अप्रैल 2020 से चार जनवरी 2021 के बीच 1.41 करोड़ से अधिक करदाताओं को 1,64,016 करोड़ रुपये से अधिक के रिफंड जारी किए। व्यक्तिगत आयकर रिफंड के 1,38,85,044 मामलों में 53,070 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि कॉर्पोरेट कर रिफंड के 2,06,847 मामलों में 1,10,946 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।'' सरकार ने आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा व्यक्तिगत आयकरदाताओं के लिए 10 जनवरी तक और कंपनियों के लिए 15 फरवरी तक बढ़ा दी है।

विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को उखाड़ना अगला लक्ष्यः बाबा रामदेव

बिजनेस डेस्क:

योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि उनकी संस्था पतंजलि योगपीठ स्वदेशी, योग और आयुर्वेद के लिए एक जन आंदोलन बन गई है और भारतीय बाजार से विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बाहर करना उनका अगला लक्ष्य है। वह पतंजलि योगपीठ के 26वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योगगुरु ने कहा, ''पतंजलि योगपीठ की 26 साल पहले शुरू हुई यात्रा अब स्वदेशी, योग और आयुर्वेद के लिए लोगों के आंदोलन में बदल गई है। हम चाहते हैं कि हमारा देश खाद्य तेल के मामले में आत्मनिर्भर हो जाए। हम इंडोनेशिया और मलेशिया पर अपनी निर्भरता खत्म करना चाहते हैं।%% उन्होंने कहा कि पतंजलि भारत में ऑयल पाम वृक्षारोपण और सरसों के तेल का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कदम उठाने जा रही है, जिससे 2.5 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा बचेगी। रामदेव ने कहा, ''इस समय पतंजलि योगपीठ और रूचि सोया का बाजार पूजीकरण 1.5 लाख करोड़ रुपए से दो लाख करोड़ रुपए के बीच है। हमारा अगला लक्ष्य हिंदुस्तान यूनिलीवर की तरह कोलगेट, नेस्ले, कोका कोला, पेप्सी और उनकी सहायक कंपनियों जैसी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को उखाड़ना है।%% पतंजलि योगपीठ को 'लोकल फॉर वोकल% का आदर्श बताते हुए रामदेव ने कहा कि स्वदेशी के लिए आंदोलन के बाद उनकी संस्था देश के शिक्षा क्षेत्र में क्रांति लाएगी। उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज और आचार्यकुलम जैसी संस्थाएं आध्यात्मिक भारत की नींव रख रही हैं। उन्होंने बाद में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि किसानों द्वारा जारी आंदोलन को निहित स्वार्थी तत्वों ने हाइजैक कर लिया है। रामदेव ने कहा कि असली किसानों को ऐसे तत्वों से बचना चाहिए और सरकार के साथ बातचीत के जरिए बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करनी चाहिए।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हो सकती है रिकॉर्ड बढ़ोतरी! कच्चे तेल के भाव में बड़ी तेजी

बिजनेस डेस्क:

एक बार फिर पेट्रोल की कीमतें नई ऊंचाई पर पहुंच सकती हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम 29 दिन तक स्थिर रखने के बाद आज बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 26 पैसे और डीजल के दाम में 25 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में पेट्रोल 83.97 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 74.12 रुपए प्रति लीटर पहुंच गए। दरअसल, कोरोना वायरस महामारी ने वैश्विक स्तर पर एनर्जी डिमांड को प्रभावित किया है। कई देशों में वैक्सीनेशन शुरू होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव चढ़ा है। ब्रेंट क्रूड ऑयल 53.86 डॉलर प्रति बैरल और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) 50 डॉलर के करीब ट्रेड कर रहा है।

अंतिम बार कब रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा था पेट्रोल-डीजल का भाव?

प्रति बैरल एक डॉलर के इजाफा से भारत के कच्चे तेल आयात बिल पर 10,700 करोड़ रुपए सालाना का बोझ पड़ता है। लाइवमिंट की एक रिपोर्ट में सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि तेल कंपनियों ने पिछले कुछ समय में खुदरा दरों को स्थिर रखा है। अब कीमतें बहुत बढ़ चुकी हैं। दिल्ली में अंतिम बार पेट्रोल का उच्चतम भाव 4 अक्टूबर 2018 को 84 रुपए प्रति लीटर पर था। जबकि, पिछले साल ही डीजल का भाव 81.94 रुपए प्रति लीटर के साथ उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। देश में ट्रांसपोर्टेशन और ईंधन की दरों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। इससे सरकार पर टैक्स दरें कम करने का भी दबाव बढ़ा है। बता दें कि रिफाइनरी प्राइस के अलावा ईंधन पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लगाया जाने वाला टैक्स और डीलर्स कमिशन भी ईंधन के दाम में जोड़ा जाता है।

ओपेक देशों ने कच्चे तेल का उत्पादन कम करने का फैसला लिया

बुधवार को कीमतों में यह तेजी पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग देशों (OPEC) प्लस की बैठक के बाद आया है। इस बैठक में फरवरी और मार्च 2021 के लिए उत्पादन को लेकर फैसला लिया गया है। दिसंबर में ओपेक प्लस ने निर्णय किया था कि जनवरी से प्रति दिन 5 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन कम किया जाएगा। ओपेक ने अपने बयान में कहा है, 'बैठक में फैसला लिया गया कि उत्पादन को धीरे-धीरे 2 mb/d पर ले जाना है।

मार्केट की स्थिति के आधार पर इसकी गति तय की जाएगी।'

रियल एस्टेट सेक्टर में लॉकडाउन वाली सुस्ती हुई दूर, दिसंबर तिमाही में मकानों के दाम बढ़े

बिजनेस डेस्क:

इंडियन रियल एस्टेट सेक्टर में लॉकडाउन के दौरान आई सुस्ती दूसरी छमाही में दूर हो गई। दिसंबर तिमाही में रिहाइशी मकानों के दाम में औसतन एक फीसदी की बढ़ोतरी भी हुई। यह जानकारी मैजिकब्रिक ने अपनी हालिया रिपोर्ट प्रॉपइंडेक्स में दी है। दिसंबर तिमाही में रेडी टू मूव मकानों की कीमत कमोबेश जस की तस रही लेकिन अंडर कंस्ट्रक्शन मकानों का दाम औसतन 2 फीसदी बढ़ा। जहां तक अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज के दाम में बढ़ोतरी की बात है तो यह ट्रेंड खास तौर पर पश्चिम और दक्षिण भारत में देखने को मिला। शहरों के हिसाब से बात करें तो मकानों के दाम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी पश्चिमी भारत में हुई। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में मकानों की कीमत एक फीसदी बढ़ी जबकि अहमदाबाद में 1.4 फीसदी का इजाफा हुआ। दक्षिण में बेंगलुरू के प्रॉपर्टी मार्केट का भाव जस का तस रहा जबकि हैदराबाद और चेन्नई में दाम 1-3 फीसदी घटे। दिल्ली-एनसीआर के नोएडा और गुरुग्राम में मकानों का दाम मामूली तौर पर घटा लेकिन नोएडा एक्सटेंशन, न्यू गुरुग्राम और सोहना में किफायती मकानों के दाम बढ़े। भले ही प्रॉपर्टी के दाम दिसंबर तिमाही में कमोबेश जस-के-तस रहे हों, लेकिन उनकी पूछताछ खूब निकली। इस तिमाही में मकानों की खरीदारी के लिए पूछताछ कोविड-19 के पहले से 30 फीसदी ज्यादा रही जो सितंबर क्वॉर्टर में 50 फीसदी ऊपर तक चली गई थी। दरअसल, खरीदारी की पूछताछ करने वालों में ज्यादातर लोगों की नजरें स्ट्रेस्ड सेल डील और फेस्टिव सीजन डिस्काउंट पर थीं। नई लॉन्चिंग और सेकेंडरी सेल की लिस्टिंग बढ़ने से प्रॉपर्टी मार्केट में सप्लाई पिछले साल से 25 फीसदी ज्यादा रही जबकि सितंबर तिमाही में यह 10 फीसदी घटी थी। प्रॉपइंडेक्स रिपोर्ट पर मैजिकब्रिक्स के सीईओ सुधीर पाई ने कहा, अर्थव्यवस्था और नौकरियों को लेकर अनिश्चितता घटने से अब रियल एस्टेट सेक्टर में ग्रोथ की संभावना नजर आ रही है। अर्थव्यवस्था में गिरावट अक्टूबर 2020 के बाद थम गई और अब रियल एस्टेट में डू शेप की रिकवरी हो रही है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में स्टांप ड्यूटी घटाए जाने और पहला मकान खरीदने वालों को सरकार की तरफ से इनसेंटिव दिए जाने से 2021 में मकानों की मांग ऊंची बनी रह सकती है।

कच्चा तेल 10 महीने के उंचे स्तर पर, उत्पादन कटौती को राजी हुआ सउदी अरब

नई दिल्ली। दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा निर्यातक सउदी अरब के उत्पादन में बड़ी कटौती करने के लिए राजी होने से वैश्विक बाजार में तेल के दाम में जोरदार तेजी आई है। बेंचमार्क कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड का भाव 54 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया गया है और डल्यूटीआई भी 50 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमतें 10 महीने से ज्यादा समय के उंचे स्तर पर चली गई हैं। घरेलू एवं वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी जारी है। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज आईसीई पर बुधवार को ब्रेंट क्रूड के मार्च डिलीवरी अनुबंध में बीते सत्र से 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 53.95 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले कारोबार के दौरान भाव 54.08 डॉलर प्रति बैरल तक चढ़ा। पिछले सत्र में ब्रेंट का भाव 4.91 फीसदी उछला था। इससे पहले ब्रेंट क्रूड का भाव 26 फरवरी 2020 को 54 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर था। वहीं, न्यूयार्क मर्केंटाइल एक्सचेंज (नायमैक्स) पर वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) के फरवरी अनुबंध में बीते सत्र से 0.36 फीसदी की तेजी के साथ 50.11 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर हालांकि कच्चे तेल के जनवरी अनुबंध में महज चार रुपये की बढ़त के साथ 3668 रुपये प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था जबकि कारोबार के दौरान भाव 3676 रुपये प्रति बैरल तक चढ़ा। बीते सत्र में एमसीएक्स पर कच्चे तेल में पांच फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। बाजार के जानकार बताते हैं कि दुनिया में तेल का सबसे बड़ा निर्यातक सउदी अरब के तेल के उत्पादन में कटौती के लिए मान जाने के कारण कीमतों में तेजी देखी जा रही है। तेल निर्यातक देशों का समूह ओपेक व अन्य प्रमुख उत्पादों की बैठक के बाद सउदी अरब ने फरवरी और मार्च में 10 लाख बैरल रोजाना अतिरिक्त उत्पादन कटौती करने पर सहमति जताई है। एंजेल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसीडेंट, एनर्जी व करेंसी, अनुज गुप्ता ने कहा कि तेल के उत्पादन में अतिरिक्त कटौती से कीमतों को आगे भी सपोर्ट मिलेगा और डब्ल्यूटीआई का भाव आगे 54 से 56 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है।

फॉड बैंक अकाउंट पर अनिल अंबानी को अभी राहत नहीं, 3 कंपनियों को दिल्ली HC ने दिया झटका

बिजनेस डेस्क:

कर्ज के बोझ में दबे अनिल अंबानी को दिल्ली हाईकोर्ट से अभी राहत नहीं मिली है। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एसबीआई से कहा कि वह अनिल अंबानी की कंपनियों- आरकॉम, रिलायंस टेलीकॉम और रिलायंस इंफ्राटेल के खातों पर यथास्थिति बनाए रखे। कोर्ट ने ये बात अगली तारीख तक के लिए कही है। आपको बता दें कि इन खातों को बैंकों ने धोखाधड़ी वाले खातों के रूप में घोषित किया है। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने तीन कंपनियों के तत्कालीन निदेशकों की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही है। याचिका में बैंकों द्वारा किसी खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित करने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2016 के सर्कुलर को चुनौती दी गई थी। याचिका के अनुसार सर्कुलर ने बैंकों को खाताधारक को कोई पूर्व सूचना या जानकारी दिए बिना खातों को धोखाधड़ी के रूप में घोषित करने की अनुमति दी है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। उनके वकीलों ने अदालत को बताया कि इस सर्कुलर के खिलाफ 2019 के बाद से ऐसी ही कई याचिकाएं दायर की गई हैं और उन मामलों में याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालय ने राहत दी।

13 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

इसके बाद न्यायमूर्ति जालान ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को निर्देश दिया कि वह तीन कंपनियों के खातों के संबंध में सुनवाई की अगली तारीख तक यथास्थिति बनाए रखें। अदालत ने कहा कि आरबीआई और तीन कंपनियों सहित प्रतिवादी 11 जनवरी अपना जवाब दाखिल कर सकते हैं और मामले की अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी। मतलब ये कि अगली सुनवाई में ये तय होगा कि अनिल अंबानी की कंपनियों के बैंक अकाउंट पर कोर्ट क्या फैसला देता है।

स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए एक मार्च से होंगी बोलियां शुरू : दूरसंचार विभाग

नई दिल्ली:

छठे दौर में 3.92 लाख करोड़ रुपए की स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए बोलियों की प्रक्रिया एक मार्च से शुरू होंगी। बुधवार को जारी एक सरकारी नोटिस में इसकी जानकारी दी गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल से 2,251.25 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। इनकी कीमत 17 दिसंबर 2020 की आधार दर के हिसाब से 3.92 लाख करोड़ रुपए है।दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने प्री-बिड कांफ्रेंस के लिए 12 जनवरी का समय तय किया है। इस नोटिस को लेकर 28 जनवरी तक स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है। नीलामी में भाग लेने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को पांच फरवरी तक आवेदन दायर करना होगा।

नोटिस के अनुसार, बोलीदाताओं की अंतिम सूची की घोषणा 24 फरवरी को होगी। इस दौर में 700 मेगाहर्ट्ज, 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज और 2500 मेगाहर्ट्ज के लिये बोलियां एक मार्च से शुरू होने वाली हैं।

स्पाइसजेट ने 21 नई घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू की

नई दिल्ली।

बजट एयरलाइन स्पाइसजेट 21 नई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन शुरू करेगा। नई उड़ानें 12 जनवरी, 2021 से चरणबद्ध तरीके से परिचालन शुरू करेंगी। एक बयान में, एयरलाइन ने कहा कि इन उड़ानों में ओडिशा में झारसुगुड़ा को जोड़ने वाली चार नई सेवाएं शामिल होंगी, इसके अलावा मेट्रो और गैर-मेट्रो शहरों के बीच संपर्क बढ़ाने वाले उड़ानों का संचालन किया जाएगा।

इसके अलावा, कंपनी अब मुंबई से रास अल-खैमाह के लिए दो साप्ताहिक उड़ानें शुरू करेगी, जो 15 जनवरी, 2021 से प्रभावी होंगी।इसके अतिरिक्त, यह कोलकाता-कोच्चि और कोच्चि-दिल्ली सेक्टरों पर नई उड़ानें भी शुरू करेगा। स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने कहा, हम इन मार्गों में अपार संभावनाएं देखते हैं जो महानगरों और गैर-महानगरों के बीच संपर्क बढ़ाने के अलावा व्यापारिक यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

एमसीजी में टेस्ट मैच देखने आया दर्शक कोविड-19 पॉजिटिव

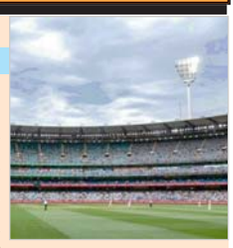

मेलबर्न। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच को देखने आए दर्शकों में से एक का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी। एमसीसी ने एक बयान में कहा, मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी), जो एमसीजी की ग्राउंड मैनेजर संस्था है, इस बात से वाकिफ है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (27 दिसंबर, 2020) को मैच देखने आया एक दर्शक कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है। वह शख्स मैच के दिन संक्रमित नहीं था और बाद में वह कोरोनावायरस का शिकार हुआ है। स्वास्थ विभाग ने कहा है कि जो लोग 27 दिसंबर को 12.30 बजे से 3.30 बजे के बीच जोन-5 में बैठे थे वो अपना टेस्ट कराएं और जब तक उनका टेस्ट निगेटिव नहीं आए तब तक वह आइसोलेशन में रहें। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यू साउथ वेल्स की सरकार ने गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट मैच में दर्शकों को मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। एससीजी में दर्शकों की तादाद को भी 25 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। चार मैचों की टेस्ट सीरीज इस समय 1-1 से बराबर है।

सिडनी टेस्ट

आस्ट्रेलियाई की नई चुनौती के लिए तैयार है भारत

सिडनी टेस्ट ।

आस्ट्रेलियाई की नई चुनौती के लिए तैयार है भारत (प्रीव्यू)सिडनी, 6 जनवरी (आईएएनएस)। यहां सख्त क्वारंटीन नियमों और होटल में पांबदियों के बीच रह रही भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को जब सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में तीसरे टेस्ट मैच के लिए आस्ट्रेलिया के सामने उतरेगी तो उसकी शारीरिक और मानसिक तौर पर परीक्षा होगी। एडिलेड में पहला टेस्ट मैच हारने के बाद भारतीय टीम ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में जीत हासिल कर चार मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। बीते एक सप्ताह से भारतीय टीम हालांकि विवादों में रही है, क्योंकि उसके पांच खिलाड़ियों पर कथित तौर पर बायो-सिक्योरिटी प्रोटोकॉल्स तोड़ने का आरोप था। भारत के पांच खिलाड़ियों का मेलबर्न के एक रेस्टोरेंट के अंदर खाना खाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद बीसीसीआई और क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इस पर जांच बैठा दी थी। भारतीय टीम ने इन पांच से चार खिलाड़ियों को तीसरे टेस्ट मैच के लिए टीम में चुना है। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम में डेविड वार्नर की वापसी होगी। टीम ने सभी बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों पर आक्रमण करने की छूट दी है और इसलिए एक रोमांचक मैच की उम्मीद की जा सकती है। भारत ने तीसरे टेस्ट मैच में पांच गेंदबाजों को खेलाने का ही फैसला किया है। नवदीप सैनी एससीजी में अपना टेस्ट पदार्पण करेंगे। उन्हें उमेश यादव के स्थान पर टीम में लाया गया है जो दूसरे टेस्ट मैच में चोटिल हो गए थे। टीम में रोहित शर्मा की भी वापसी हुई है। वह मंयक अग्रवाल का स्थान लेंगे। रोहित उन पांच खिलाड़ियों में से हैं, जिन्हें बायो सिक्योरिटी प्रोटोकॉल्स का दोषी पाया गया था। बाकी के खिलाड़ी सैनी, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और पृथ्वी शॉ हैं। शॉ को छोड़कर सभी को अंतिम-11 में जगह मिली है। बाहर खाना खाने के विवाद और पहले टेस्ट मैच में वो एक घंटा जिसमें भारतीय टीम 36 रनों पर ही सिमट गई थी, इन दो चीजों को छोड़ दिया जाए तो भारत ने अभी तक आस्ट्रेलिया पर अपना दबदबा दिखाया है। पहले टेस्ट मैच में खराब बल्लेबाजी के बाद टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में दमदार वापसी की। टीम के कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शानदार शतक जमाया था और गेंदबाजों ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान कर दिया था। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज खासकर सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत देने में विफल रही थी और रविचंद्रन अश्विन तथा जसप्रीत बुमराह सहित बाकी भारतीय गेंदबाजों पर दबाव नहीं बना पाई थी। आस्ट्रेलिया हालांकि इस मैच में बदली हुई रणनीति के साथ उतर रही है और वार्नर का टीम में आना उसे मजबूत करता है जो शीर्ष क्रम में टीम को मजबूत शुरुआत देने का दम रखते हैं। आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने बुधवार को कहा था कि वार्नर के आक्रामक रवैये से टीम को फायदा होगा। पिच की बात की जाए तो सिडनी की पिच भारतीय पिचों की तरह की मानी जाती है। रहाणे ने हालांकि कहा है कि यह मैच एक नई शुरुआत है और पिछला मैच एक इतिहास बन गया है। रहाणे ने कहा, दुर्भाग्यवाश उमेश और शमी की कमी खलेगी, लेकिन उनकी गैरमौजूदगी ने बाकियों को मौका दिया है। मैं सिराज के लिए खासकर खुश हूं, उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की, वह हमारे लिए काफी उपयोगी रहे। उन्होंने कहा, एक टीम के तौर पर हमारे पास तीन-चार प्लान हैं।

कपिल देव हुए 62 के, सचिन, विराट ने दी बधाई

नई दिल्ली।

वर्ष 1983 विश्व कप विजेता टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव बुधवार को 62 वर्ष के हो गए। उनके जन्मदिन पर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली समेत कई दिग्गजों ने बधाई दी है। सचिन ने ट्विटर पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो कपिल पाजी। पूर्व वर्ष आपका जीवन खुशियों और स्वास्थ्य से भरपूर हो। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने लिखा, हैप्पी बर्थडे कपिल देव जी। आने वाला समय आपके और आपके परिवार के लिए खुशियों भरा हो। आगामी वर्ष अद्भुत और स्वस्थ वर्ष हो। पूर्व भारतीय आलराउंडर युवराज सिंह ने कहा, दिग्गज चैंपियन और महान ऑलराउंडर कपिल देव पाजी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपके ऊपर अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कृपा बनी रहे। जल्द ही आपको बहुत अच्छा अनुभव होगा। शुभकामनाएं। वीवीएस लक्ष्मण ने कहा, एक ऐसे आदमी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, जिन्होंने कई लोगों को प्रेरित किया। आपको एक धन्य, स्वस्थ और फलदायी वर्ष की शुभकामनाएं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कपिल देव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। कपिल देव ने वर्ष 1983 में अपनी कप्तानी में भारत को पहली बार विश्व कप जिताया था। वह छह वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। कपिल देव ने 1978 से 1994 तक भारत के लिए 131 टेस्ट और 225 वनडे मैच खेले हैं।

कोपा लिबर्टाडोरेस का फाइनल 30 जून को, बिना दर्शकों के

रियो डी जनेरियो। कोपा लिबर्टाडोरेस का फाइनल रियो डी जनेरियो के ऐतिहासिक मारकाना स्टेडियम में बिना दर्शकों के 30 जून को खेला जाएगा। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ (कॉन्मेबोल) ने इसकी जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला कॉन्मेबोल, ब्राजील फुटबाल परिसंघ और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर लिया गया है। कॉन्मेबोल ने एक बयान में कहा, दक्षिण अमेरिका में अभी भी कोविड-19 महामारी बढ़ रही है, इसलिए दर्शकों की उपस्थिति के साथ इसका आयोजन करना मुश्किल है। 30 जून को होने वाला कोपा लिबर्टाडोरेस कप का फाइनल दक्षिण अमेरिकी फुटबाल का सबसे महत्वपूर्ण मैच माना जाता है। इसके सेमीफाइनल मुकाबलों में अर्जेंटीना के क्लब रिवर प्लेट का सामना ब्राजील के पाल्मीरास से, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सांतोस का सामना बोका जूनियर्स से होगा।

भारतीय बैडमिंटन टीम ट्रेनिंग शुरू करेगी, कोविड-19 जांच के बाद फिजियो की सेवा भी मिलेगी

नई दिल्ली ।

भारत का पूरा बैडमिंटन दल कोविड-19 परीक्षण में बुधवार को नेगेटिव आया और अगले हफ्ते शुरू होने वाले योनेक्स थाईलैंड ओपन से पहले टीम ट्रेनिंग शुरू करने के लिए तैयार है। भारतीय टीम ग्रीन जोन में शामिल थी जिसमें सभी खिलाड़ियों और हितधारकों जैसे अंपायर, लाइन जज, विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के कर्मचारियों, थाईलैंड बैडमिंटन संघ, मेडिकल स्टाफ और टीवी प्रोडक्शन कर्मचारियों को जगह मिली है। इन सभी का बैंकॉक पहुंचने पर परीक्षण किया गया। बैंकॉक में होने वाले एशिया चरण में दो सुपर 1000 प्रतियोगिताए योनेक्स थाईलैंड ओपन (12-17 जनवरी) और टोयोटा थाईलैंड ओपन (19-24 जनवरी) होंगी जिसके बाद 27-31 जनवरी तक 15,00,000 इनामी एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स खेले जाएंगे। बीडब्ल्यूएफ ने बयान में कहा कि बैंकॉक में एशियाई चरण को अच्छी खबर मिली जब ग्रीन जोन पृथकवास में शामिल सभी 824 प्रतिभागी कोविड-19 परीक्षण में नेगेटिव पाए गए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अब कड़े सुरक्षा नियमों के साथ ट्रेनिंग करने की स्वीकृति होगी। भारतीय टीम में ओलंपिक में जगह बनाने की दावेदार पीवी सिंधू, साइना नेहवाल और बी साई प्रणीत जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इन सभी को ट्रेनिंग का समय आवंटित कर दिया गया है। खिलाड़ियों ने दोपहर में पहले जिम सत्र में भी हिस्सा लिया। भारतीय बैडमिंटन संघ ने ट्वीट किया कि भारतीय टीम आज से अपनी ट्रेनिंग शुरू करेगी। जिम का समय दोपहर दो से तीन बजे तक आवंटित किया गया है और ट्रेनिंग का समय रात को सात से आठ बजे का है। खिलाड़ियों को अब अपने कमरों में फिजियो की सेवा मिल सकती हैं लेकिन नियमों के अनुसार इसके लिए उन्हें पहले समय लेना होगा। साइना ने मंगलवार को अपने फिजियो से मिलने की इजाजत मांगी थी और बाद में खिलाड़ियों को ट्रेनर और फिजियो की सेवा की स्वीकृति नहीं देने के लिए वैश्विक संचालन संस्था बीडब्ल्यूएफ पर निशाना साधा था। बीडब्ल्यूएफ ने आधिकारिक प्रतिक्रिया में कहा कि थाईलैंड बैडमिंटन संघ (बीएटी) और बीडब्ल्यूएफ को बीएआई के जरिये साइना नेहवाल का आग्रह मिला था जिसमें उन्होंने फिजियो से मिलने की स्वीकृति मांगी थी। इसमें कहा गया कि बीएटी ने बीएआई और साइना नेहवाल को नियमों के बारे में सूचित किया और उन्हें बताया कि व्यवस्था के अनुसार अभ्यास शुरू (छह जनवरी से) होने पर ही खिलाड़ियों को अपने कमरों में फिजियो की सेवा लेने की स्वीकृति होगी।बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सूची पत्र में साफ कहा गया है कि बैंकॉक में ग्रीन जोन में शामिल सभी खिलाड़ी और कर्मचारी छह जनवरी से अभ्यास शुरू होने तक अपने कमरों में ही रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोच कुआड्रॉट से अलग हुआ बेंगलुरु एफसी, मूसा होंगे अंतरिम कोच

बेंगलुरु। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की पूर्व चैम्पियन बेंगलुरु एफसी ने अपने कोच कार्ल्स कुआड्रॉट से अलग होने का फैसला किया है। बेंगलुरु आईएसएल के मौजूदा सातवें सीजन में हार की हैट्रिक लगा चुकी है। ईएसपीएन की रिपोर्ट के अनुसार, सुनील छेत्री की कप्तानी वाली बेंगलुरु ने एक बयान में कहा कि उसने अपने कोच कुआड्रॉट से अलग होने का निर्णय लिया है। क्लब ने कहा कि पिछले चार सीजन से क्लब के साथ रह रहे नौशाद मूसा तत्काल प्रभाव से टीम के अंतरिम मुख्य कोच होंगे। बेंगलुरु एफसी के निदेशक पार्थ जिंदल ने कहा, प्रबंधन के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद, हमें लगता है कि क्लब को एक नई दिशा में आगे बढ़ना होगा, एक जहां बेंगलुरु एफसी के प्रदर्शन से फिर से देखने को मिलते हैं। अतीत में जब हमने कार्ल्स के साथ सफलता का आनंद लिया, तो हमने महसूस किया कि इस सीजन में हम अपने सही दर्शन से दूर हैं और इसलिए हमें इस नतीजे पर पहुंचना पड़ा। पूर्व चैम्पियन बेंगलुरु एफसी को मंगलवार को ही आईएसएल के सातवें सीजन में मुंबई सिटी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा है। बेंगलुरु एफसी की तीन मैचों में यह लगातार तीसरी और इस सीजन की नौ मैचों में तीसरी हार है। टीम के 12 अंक है और वह तालिका में पांचवें नंबर पर है।

प्रवीण आमरे बने दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच

नई दिल्ली। प्रवीण आमरे को आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स ने अपना सहायक कोच नियुक्त किया है। वह लीग के आगामी दो सीजनों में टीम के साथ रहेंगे। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी। आमरे 2014 से 2019 तक दिल्ली के टैलेंट स्काउट हेड रहे थे। 52 साल के आमरे ने एक बयान में कहा, मैं दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझे बोर्ड में शामिल किया। टीम ने आईपीएल-2020 के फाइनल में कदम रखा था। यह टीम में वापस आने का शानदार समय है। वह एक बार फिर रिकी पोंटिंग और बाकी के खिलाड़ियों के साथ काम करने को तैयार हूं। आमरे ने भारत के लिए 11 टेस्ट और 37 वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कोचिंग की और तीन बार रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया। वह कई भारतीय खिलाड़ियों के साथ निजी तौर पर काम कर चुके हैं। दिल्ली इस बार आईपीएल के फाइनल में पहुंची थी। उसने आईपीएल के इतिहास में पहली बार फाइनल में कदम रखा था।

सख्त क्वारंटीन नियमों से बिल्कुल भी परेशान नहीं : रहाणे

सिडनी।

भारतीय क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य राहणे ने बुधवार को कहा है कि टीम के खिलाड़ी आस्ट्रेलियाई दौरे पर सख्त क्वारंटीन नियमों से परेशान नहीं हैं और टीम गुरुवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट मैच पर फोकस करने के साथ-साथ नियमों का पालन कर रही है। रहाणे ने कहा कि सिडनी में लोगों को आम जिंदगी जीते देखने के बाद टीम का होटल में बंद रहना एक चुनौती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों से होटल के बाहर जाने को मना किया है। सख्त क्वारंटीन नियमों के तहत खिलाड़ियों को होटल से सिर्फ ग्राउंड तक जाने की इजाजत है। रहाणे ने बुधवार को कहा, हम किसी भी तरह से पेरशान नहीं है। हम यहां खेलने आए हैं और यही हमारी प्राथमिकता है.. क्वारंटीन में रहने की अपनी चुनौतियां रहती हैं। लेकिन एक टीम के तौर पर हम मैच पर ध्यान दे रहे हैं। हम जानते हैं कि सिडनी के बाहर का जीवन काफी आम है लेकिन खिलाड़ी क्वारंटीन में हैं। यह एक चुनौती है। हमें इसे मानना होगा। एक टीम के तौर पर हम कल से शुरू होने वाले मैच पर ध्यान दे रहे हैं, किसी चीज को लेकर शिकायत नहीं कर रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि भारत चौथा टेस्ट मैच ब्रिस्बेन में नहीं खेलना चाहता क्योंकि वहां क्वारंटीन नियम काफी सख्त हैं। रहाणे ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम का काम सरकार और बोर्ड पर छोड़ दिया है। रहाणे ने कहा, बीसीसीआई और टीम प्रबंधन इस पर फैसला लेंगे लेकिन हम खिलाड़ियों के लिए, यह मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की बात है। टेस्ट मैच कल से शुरू हो रहा है और हम इस पर ध्यान दे रहे हैं। हम एक टीम के तौर पर इस टेस्ट मैच में बेहतर करना चाहते हैं और टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी सख्त क्वारंटीन के लिए तैयार हैं।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, हम तैयार हैं। हम सिर्फ अच्छी क्रिकेट खेलना चाहते हैं। सिडनी में जिंदगी आम है, लेकिन खिलाड़ी कमरे में बंद हैं जो अच्छा है। लेकिन हम जानते हैं कि हमें कैसे इस चीज को संभालना है। हम टीम में हर स्थिति के लिए तैयार हैं। चार मैचों की टेस्ट सीरीज इस समय 1-1 की बराबरी पर है।

एससीजी की पिच अच्छी रहेगी : क्यूरेटर

सिडनी।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एसीसीजी) की पिच अच्छी होगी और संभवत- उसी तरह की होगी जिस तरह की न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया के बीच पिछले साल हुए मैच की थी। एससीजी के क्यूरेटर एडम लुइस ने यह बात कही है। एससीजी पर गुरुवार से भारत और आस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच शुरू हो रहा है। लुइस ने बुधवार सुबह कहा, यह काफी सामान्य रहने वाली है.. मुझे लगता है कि इसमें तेजी होगी। हम हमेशा इसमें तेजी से शुरुआत करते हैं। इसके बाद यह पारंपरिक एससीजी विकेट बन जाती है। मेरी चिंता इस सप्ताह का मौसम है। हम पहले दिन सर्वश्रेष्ठ विकेट देने की कोशिश करेंगे। इसके बाद यह हमारे हाथ से निकल जाती है। पिछले साल नाथन लॉयन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 विकेट लिए थे। लुइस ने कहा, हर साल मौसम अलग होता है। हमने उन्हें सख्त विकेट देने की कोशिश की है जिस पर अच्छी घास होगी। एक बार पहली गेंद फेंकी गई तो फिर उसके बाद यह मेरे हाथ में नहीं रहेगी। उन्होंने कहा, तीन साल पहले, इंग्लैंड ने यहां मैच खेला था। दिन में तापमान 30-40 डिग्री सेल्सियस रहता था। उस समय गर्मी, हवाएं चल रही थीं। इस साल से काफी अलग है। इस समय उमस, बारिश और बादल छाए हुए हैं। तीन दिन पहले ही हमने सूर्य की रौशनी देखी है। हम जो हो सकता है कर रहे हैं।

मैनचेस्टर सिटी के लीजेंड कोलिन बेल का 74 साल की उम्र में निधन

मैनचेस्टर। इंग्लिश फुटबाल क्लब कोलिन बेल का कोविड से संबंधित बीमारी के कारण 74 साल की उम्र में निधन हो गया। बेल को सिटी के महान फुटबाल खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने क्लब के लिए 501 मैच खेले और 153 गोल किए। वह क्लब के साथ 13 साल तक रहे। उन्होंने इंग्लैंड के लिए भी 48 मैच खेले। वह 1975 में चोट के कारण काफी परेशान रहे। कोलिन द किंग के नाम से मशहूर इस खिलाड़ी के नाम पर एतिहाद स्टेडियम का स्टैंड रखने के लिए प्रशंसकों ने वोट किया और उनका नाम अभी भी कई बार मैच में लिया जाता है। सिटी के चेयरमैन खालदून अल मुबारक ने बेल को श्रद्धंजलि देते हुए कहा, कोलिन बेल मैनचेस्टर सिटी के महानतम खिलाड़ियों में गिने जाते हैं और यह काफी दुखदायी खबर है क्योंकि उनका जाना क्लब से जुड़े हर इंसान को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मैं उनके पूर्व मैनेजर और टीम के साथियों से लगातार संपर्क में रहा। मैं इसे लेकर स्पष्ट हूं कि कोलिन का उन सभी के दिनों में काफी सम्मान था। एतिहाद स्टेडियम में उनके नाम का स्टैंड उनकी अहमियत के बारे में बताता है और साथ ही क्लब में दिए गए उनके योगदान के बारे में भी।

इस हार की मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं : कप्तान रिजवान

क्राइस्टचर्च ।

न्यूजीलैंड के हाथों दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से क्लीन स्वीप का सामना करने के बाद पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने कहा है कि बतौर कप्तान वह इस हार की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। न्यूजीलैंड ने हेग्ले ओवल मैदान पर खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन बुधवार को पाकिस्तान को पारी और 176 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया। रिजवान ने मैच के बाद कहा, एक कप्तान के रूप में मैं इस हार की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं खुद जिस तरह से विकेटकीपिंग करना चाहता था, वह नहीं कर पाया। हमारी फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही। टेस्ट मैच जीतने के लिए आपको 20 खिलाड़ियों को आउट करना पड़ता है। लेकिन अगर हम कैच छोड़ते हैं तो यह आंकड़ा 20 से 30 हो जाता है। बड़ी टीमों और खासकर, दुनिया के नंबर-1 टेस्ट खिलाड़ी केन विलियम्सन जैसे खिलाड़ियों का कैच छोड़ते हैं, तो वह बड़ी पारी खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर पूरा मैच देखें तो हम तीनों विभाग में उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सके जैसा कि मैच जीतने के लिए हमें करना चाहिए था। हालांकि हमारे गेंदबाजों ने शुरू में अच्छा प्रयास किया और हमारे लिए मौके बनाए। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 297 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 659 रनों पर घोषित कर पाकिस्तान पर 362 रनों की बढ़त ले ली थी। पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में भी कुछ कमाल नहीं दिखा पाए और मैन ऑफ द मैच चुने गए काइल जेमिसन की घातक गेंदबाजी के सामने दूसरी पारी में सिर्फ 186 रनों पर ढेर हो गई। जेमिसन ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। पहली पारी में भी उन्होंने पांच विकेट लिए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे कहा, हमें फील्डिंग, गेंदबाजी और बल्लेबाजी में बहुत सुधार करने की जरूरत है। लेकिन साथ ही हमारी बल्लेबाजी भी ऊपर-नीचे हो रही है। मैं चाहता हूं कि गेंदबाज भी प्रदर्शन में निरंतरता लाएं। लेकिन हमारे पास क्षमतावान खिलाड़ी हैं और हमें उम्मीद है कि हम अगली सीरीज (दक्षिण अफ्रिका के खिलाफ घर में) में सुधार करेंगे। न्यूजीलैंड ने बे-ओवल मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट मैच में जीत हासिल की थी।

क्लब टीम जैसी क्रिकेट खेल रही पाकिस्तान : अख्तर

क्राइस्टचर्च। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने न्यूजीलैंड दौरे पर टीम के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की है और कहा है कि टीम बुरी तरीके से हारी है। उन्होंने साथ ही कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जो बोया है, वही वह काट रहा है। अख्तर ने पीसीबी को भी जमकर खरी खोटी सुनाई है। उन्होंने ट्विटर पर पीसीबी की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बोर्ड ने जो बोया है, वही वो काट रहा है। अख्तर ने ट्विटर पर कहा, आप औसत खिलाड़ी लाते रहेंगे, औसत खिलाड़ी खिलाते रहेंगे। औसत टीम बनाते रहेंगे, औसत ही रिजल्ट आते हैं और औसत ही काम करते रहेंगे। पाकिस्तान जब भी टेस्ट क्रिकेट खेला, तब तब उसकी पोल खुलती रहेगी। ये लोग स्कूल स्तर की क्रिकेट खेल रहे हैं और प्रबंधन ने स्कूल स्तर का क्रिकेटर बना दिया है। उन्होंने कहा, कितने चेयरमैन आए और गए। पाकिस्तान क्रिकेट बर्बाद हो गया है। ऐसा तब तक रहेगा, जब कि औसत खिलाड़ी आते रहेंगे। टीम में न तो कैरेक्टर है, न पर्सनेलिटी है, न कद है और न बल्लेबाजी आती है और कैच तो ऐसे छोड़ते हैं, जैसे नींद में खड़े हैं। न्यूजीलैंड ने हेग्ले ओवल मैदान पर खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन बुधवार को पाकिस्तान को पारी और 176 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया। पूर्व तेज गेंदबाज ने पाकिस्तान की हार पर कहा, यह एक शर्मनाक और बुरी हार है। मैं पूछता हूं कि तो क्या अब कान पकड़ने का समय आ गया है पाकिस्तान टीम का या बोर्ड का। सवाल यह नहीं है कि हम टेस्ट मैच हारे हैं, बल्कि बात यह है कि हम बहुत बुरी तरीके से हारे हैं। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, आपने मैच देखा क्लब और न्यूजीलैंड टीम के बीच का। आप सोच रहे होंगे कि मैं पाकिस्तान टीम को क्लब टीम क्यों कह रहा हूं। टीम प्रबंधन को चाहिए थे और टीम प्रबंधन ने भी उसी तरीके की ही टीम चुनी। हमारी बल्लेबाजी या गेंदबाजी में कहीं अनुभव ही नजर नहीं आया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे हुई थी बॉलीवुड में शाहरुख खान की फिल्म से दीपिका की एंट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण आज अपना 35वां जन्मदिन मना रही है। इस समय दीपिका पादुकोण अपने पति रणवीर सिंह के साथ राजस्थान के रथंमभौर के जंगलों में नये साल का जश्न मना रही हैं। दीपिका पादुकोण ने साथ 2020 के अंत में 31 दिसंबर के दिन अचानक अपने सोशल मीडिया के सारे पोस्ट डिलीट कर दिए। 1 जनवरी 2021 के दिन उन्होंने एक ऑडियो डायरी शेयर करते हुए अपने फैंस को नये साल की बधाई दी।

साल 2020 दीपिका पादुकोण के लिए काफी ज्यादा बुरा साबित हुआ। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड में ड्रग्स एंगल का खुलासा हुआ जिसके बाद एक-एक करके कई बड़े नाम ड्रग्स केस से जुड़ते नजर आये जिसमें से एक दीपिका पादुकोण का था। एनसीबी ने दीपिका पादुकोण से पूछताछ की। दीपिका का नाम ड्रग्स केस से जुड़ने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया।

आज दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की हाई पेड एक्ट्रेस में से एक हैं। अपनी मेहनत और लगन से दीपिका ने कम समय में बॉलीवुड में बड़ा नाम कमाया है। दीपिका की पहली फिल्म ओम शांति ओम थी। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ काम किया था। दीपिका ने अपनी पहली फिल्म से ही शाहरुख खान को पछाड़ते हुए सारी लाइम लाइट बटोर ली। फिल्म में दीपिका के काम को बहुत पसंद किया गया। फिल्म ओम शांति ओम साल 2007 का सुपरहिट फिल्म थी।

आखिर फरहा खान को दीपिका पादुकोण कैसे मिली?

फिल्म ओम शांति ओम के लिए निर्देशक फरहा खान को दीपिका पादुकोण का नाम मलाइका अरोड़ा ने सजेस्ट किया था। दीपिका पादुकोण की मुलाकात मलाइका से मॉडलिंग करने के दौरान हुई थी। तब मलाइका दीपिका से काफी इम्प्रेस हुई थी। फरहा खान को अपनी फिल्म के लिए नये चेहरे की तलाश थी ऐसे में दीपिका को फिल्म के लिए सलेक्ट कर लिया गया। फिल्म ओम शांति ओम सुपरहिट हुई।

फिर सवालों में घिरी उर्मिला मातोंडकर, चुनाव फंड से बचे पैसों का राहत काम में किया इस्तेमाल

अभिनेत्री से नेता बनीं उर्मिला मातोंडकर अब राजनीति में अपनी पकड़ बना रही है। महाराष्ट्र में उर्मिला मातोंडकर ने 2019 में कांग्रेस पार्टी का दामन थाम कर चुनाव लड़ा था जिसमें वह बुरी तरह हार गयी थी। कुछ समय कांग्रेस में रहने के बाद उर्मिला मातोंडकर ने 2020 में शिवसेना का हाथ थाम लिया। खबरों के मुताबिक कांग्रेस के पार्टी फंड से उर्मिला मातोंडकर को चुनाव लड़ने के लिए 50 लाख की धन राशि दी गयी थी। जिसमें से चुनाव के दौरान 30 लाख खर्च हुए थे। 20 लाख बाकी रह गये थे। उर्मिला मातोंडकर ने बचे हुए धन को कोरोना राहत में दान कर दिया था।

कुछ समय पहले कांग्रेस छोड़ने के बाद उर्मिला मातोंडकर शिवसेना में शामिल हो गईं। 2019 के लोकसभा चुनाव में, उर्मिला मातोंडकर मुंबई उत्तर से कांग्रेस की उम्मीदवार थीं, जो भाजपा के गोपाल शेट्टी से हार गई थीं। भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, उर्मिला मातोंडकर ने सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक की कांदिवली शाखा में चुनाव खर्च के लिए एक संयुक्त खाता खोला था। कांग्रेस महासचिव अशोक सुथराले संयुक्त खाताधारक थे।

ईसीआई के मानदंडों के अनुसार, प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा खर्च पर 70 लाख रुपये की कैप थी। महाराष्ट्र कांग्रेस ने अप्रैल 2019 में इस खाते में 50 लाख रुपये स्थानांतरित किए। खाता विवरण के अनुसार, 2019 में चुनावी मौसम के दौरान लगभग 30 लाख रुपये का उपयोग किया गया था और जुलाई 2020 तक शेष राशि के रूप में 20.4 लाख रुपये अभी भी खाते में शेष थे। जुलाई में, उर्मिला मातोंडकर ने बचे हुए पैसों को पार्टी को नहीं लौटाया बल्कि उन्होंने उन पैसों को मुख्यमंत्री राहत कोष में उसी खाते से 20 लाख रुपये का दान किया गया था।

इस बारे में बात करते हुए एमपीसीसी के कोषाध्यक्ष सुरेश शेट्टी ने कहा फ्चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार को पैसा दिया जाता है। वह पैसा पार्टी का है। यदि किसी भी पैसे को छोड़ दिया जाता है, तो उसे पार्टी को वापस कर दिया जाना चाहिए। सामान्य व्यवहार के अनुसार, इस मामले में भी ऐसा ही होना चाहिए था।

उर्मिला मातोंडकर ने कहा कि यह दान राज्य कांग्रेस प्रमुख बालासाहेब थोरात की अनुमति से किया गया था। फ्यह दान एमपीवी के अध्यक्ष थोरात साब की अनुमति के साथ कोविद -19 कार्य के लिए लॉकडाउन के बीच में एमवीए सरकार की ओर से किया गया था। कुछ कुख्यात लोग कहानी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने इसका इस्तेमाल महामारी में महाराष्ट्र के लोगों के कल्याण के लिए किया है।

क्या 'नेल पॉलिश' के लिए मिलेगा अर्जुन रामपाल को नेशनल अवॉर्ड? निर्देशक का बयान

बॉलीवुड में कुछ सालों से बायोपिक और और रीमेक फिल्में ही बनायी जा रही है, इसी कारण लंबे समय से बॉलीवुड की कोई फिल्म इतनी इफेक्टिव भी नहीं है जिसकी क्रिटिक्स तारीफ कर सकें। सालों बाद बॉलीवुड में एक नये कॉन्सेप्ट के साथ अर्जुन रामपाल और मानव कौल की फिल्म नेल पॉलिश रिलीज हुई है। कोर्ट ड्रामा फिल्म नेल पॉलिश की कहानी और कास्ट बेहद ही शानदार है। अपराध पर आधारित ये फिल्म आपको सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर अपराध कौन करता है?

क्या अपराध इंसान का शरीर करता है या उसका दिमाग? दिमाग ही अपराध करने के लिए निर्देश देता है शरीर तो बस निर्देश का पालन करता है। कानून को सजा किसे देनी चाहिए शरीर को या फिर दिमाग को? कुछ इसी मनोविज्ञान पर आधारित है मानव कौल की फिल्म नेल पॉलिश। पहली बार बॉलीवुड में एक अपराध और न्याय पर आधारित ऐसी फिल्म रिलीज हुई है।

अर्जुन रामपाल की फिल्म नेल पॉलिस को आटीटी प्लेटफॉर्म ज़ी5 पर रिलीज किया गया है। नेल पॉलिश में अर्जुन रामपाल और मानव कौल को उनके प्रदर्शन के लिए प्रशंसा मिल रही है। निर्देशक बग्स भार्गव कृष्णा का मानना है कि अभिनेताओं को नेल पॉलिश में उनके प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल सकता है। अर्जुन रामपाल कोर्ट रूम ड्रामा में एडवोकेट सिड जयसिंग की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। वह एक्स इंटेलीजेंस ऑफिसर मानव कौल (वीर सिंह) का केस लड़ रहे हैं। इसके अलावा आनंद तिवारी और रजित कपूर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर ने कॉमेडी फिल्म 'बधाई दो' की शूटिंग की शुरू

अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री भूमि पेडणेकर की अगली कॉमेडी फिल्म 'बधाई दो' की शूटिंग मंगलवार को शुरू हो गयी। यह फिल्म 'बधाई हो' की सीक्वल है। पेडणेकर ने इंस्टाग्राम पर उत्तराखंड के देहरादून में शूटिंग के पहले दिन की तस्वीरें साझा की है। अदाकारा ने लिखा है, ''नयी शुरुआत के लिए पूरी टीम को बधाई दो।'' 'बधाई दो' का निर्देशन हर्षवर्धन कुलकर्णी कर रहे हैं। उन्होंने इससे पहले फिल्म 'हंटर' (2015) का निर्देशन किया था। 'बधाई हो' की कहानी लिखने वाले सुमन अधिकारी और अक्षत घिल्डियाल ने ही इस फिल्म की भी कहानी लिखी है। 'बधाई हो' में आयुष्मान खुराना, सुरेखा सिकरी और सान्या ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी और इसका निर्देशन रवींद्रनाथ शर्मा ने किया था।

जैसलमेर में शुरू हुई अक्षय कुमार अभिनीत 'बच्चन पांडे' की शूटिंग

अभिनेता अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म ''बच्चन पांडे'' की शूटिंग बुधवार को जैसलमेर में शुरू हो गयी। फिल्मकारों ने यह घोषणा की। निर्माता साजिद नाडियाडवाला फिल्म के कलाकारों एवं अन्य सहयोगियों के साथ अपनी आगामी एक्शन-कॉमेडी फिल्म की शूटिंग के लिए पिछले सप्ताह शहर पहुंचे। फिल्म में कृति सैनन, पंकज त्रिपाठी और अरशद वारसी भी हैं। 'नाडियाडवाला ग्रैंडसन' ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया, ''मुहूर्त शॉट के साथ साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'बच्चन पांडे' की शूटिंग शुरू हो गयी।''

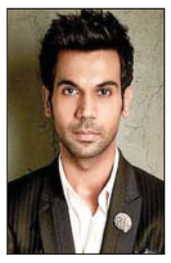

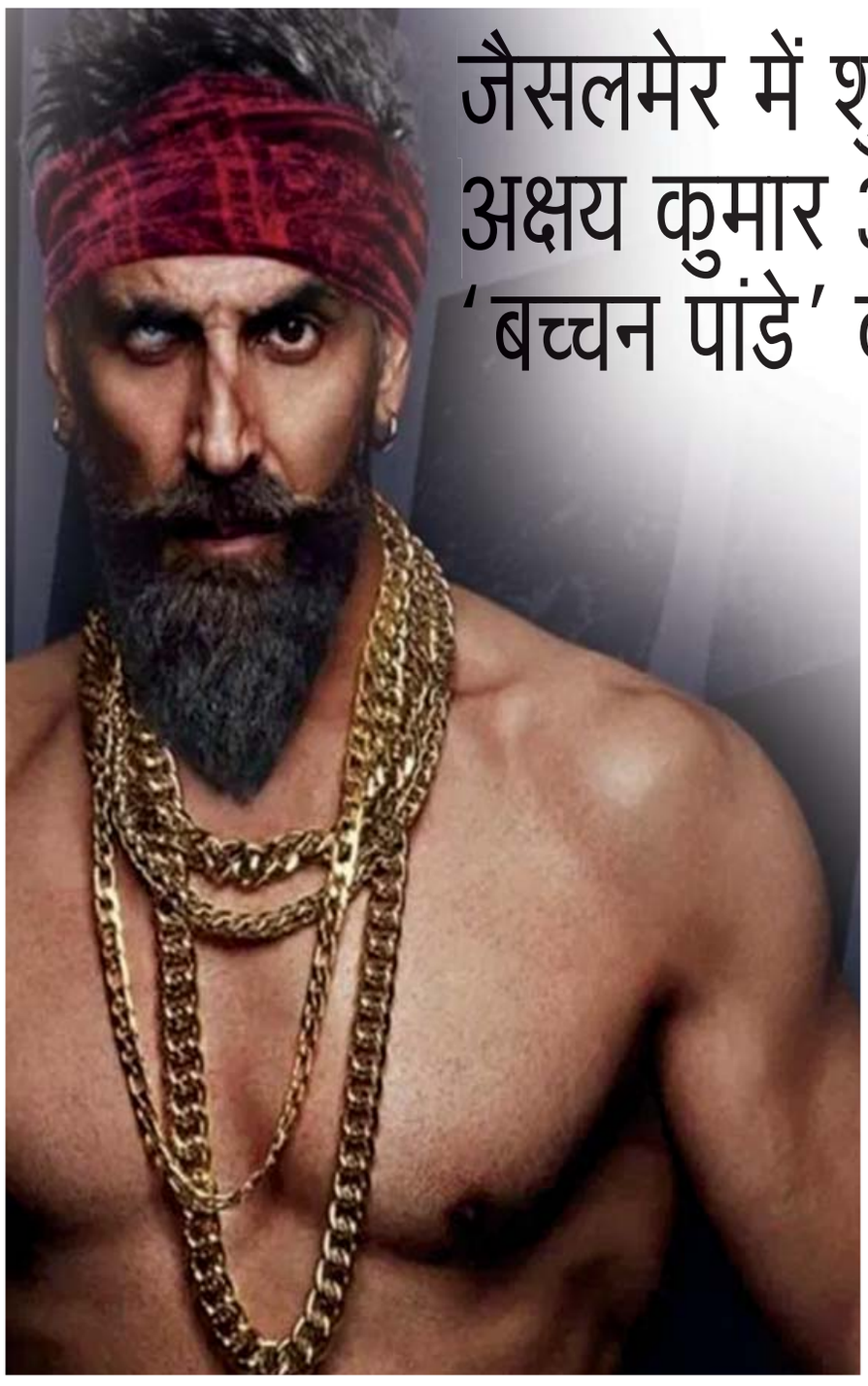

'बच्चन पांडे' का निर्देशन 'हाउसफुल 4' के निर्देशक फरहाद शामजी कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार एक ऐसे गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं जो अभिनेता बनना चाहता है। कृति सैनन फिल्म में पत्रकार बनी हैं जो निर्देशक बनना चाहती हैं और अरशद वारसी एक संघर्षरत अभिनेता बने हैं। फिल्मकारों ने फिल्म के अन्य कलाकारों की घोषणा नहीं की है। 'बच्चन पांडे' इस साल रिलीज होने वाली है।

फिल्म 'सुल्तान' के निर्देशक अली अब्बास जफर ने रचाई शादी

फिल्मकार अली अब्बास जफर शादी के बंधन में बंध गए हैं। अब्बास ने अपनी पत्नी एलिशिया जफर के साथ इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, '' 1400 साल पहले, इमाम अली ने फातिमा अल-जहरा से कहा था कि तुम्हारा चेहरा देखते ही मेरे सारे दुख और दर्द गायब हो जाते हैं। मुझे तुम्हें देखकर ऐसा ही महसूस होता है।''

फिल्म 'सुल्तान' के निर्देशक ने कुछ दिन पहले भी एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ रखा था। तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा था, ''बिस्मिल्लाह''।

टाइगर श्रॉफ के दूसरे सॉन्ग 'कैसनोवा' का फर्स्ट लुक रिलीज

अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने 'कासानोवा' गाने का पहला लुक बुधवार को जारी किया। पिछले साल अभिनेता ने गायन की दुनिया में 'अनबिलिवेबल' से दस्तक दी थी। श्रॉफ ने ट्विटर पर 'कासानोवा' का 15 सेकेंड का टीजर पोस्ट करते हुए उत्साहवर्धन के लिए अपने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा किया।

अभिनेता ने लिखा कि वह दूसरे गाने का पहला लुक साझा करते हुए उत्साहित हैं। श्रॉफ विकास बहल की फिल्म 'गणपत' में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग इस साल शुरू होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारत और फ्रांस बृहस्पतिवार को करेंगे वार्षिक सामरिक वार्ता, द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली। भारत और फ्रांस बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में वार्षिक सामरिक वार्ता करेंगे जिसमें द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, '' इस बैठक में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्वराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल और फ्रांस के शिष्टमंडल का नेतृत्व वहां के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार इमैनुअल बोन करेंगे। ''
मंत्रालय ने कहा है कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा करेंगे। बोन अन्य भारतीय अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि भारत और फ्रांस के बीच पिछली सामरिक वार्ता पेरिस में फरवरी 2020 में हुई थी।

क्या मॉडर्ना के कोविड-19 टीके को मिलेगी मंजूरी? यूरोपीय संघ की औषधि एजेंसी की हुई बैठक

एम्सटर्डम। मॉडर्ना के कोविड-19 रोधी टीके को मंजूरी पर विचार करने के लिए बुधवार को यूरोपीय संघ की औषधि एजेंसी की अहम बैठक होने जा रही है। यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी (ईएमए)की मानव औषधि समिति की बैठक ऐसे समय हो रही है जब कई यूरोपीय देशों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में काफी वृद्धि देखने को मिल रही है और उन्हें टीकाकरण की धीमी गति के चलते आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। ईएमए अमेरिका की दवा कंपनी फाइजर और जर्मनी की बायोएनटेक द्वारा विकसित किए गए टीके को पहले ही मंजूरी दे चुकी है।
मॉर्डर्ना के टीके को मंजूरी मिलने के बाद यूरोपीय संघ के देशों को महामारी से निपटने में और अधिक मदद मिलेगी। मॉडर्ना द्वारा विकसित किए गए टीके को मंजूरी देने पर विचार के लिए बैठक से पहले एजेंसी ने एक ट्वीट में कहा कि उसके विशेषज्ञ कंपनी के साथ लंबित सभी मुद्दों को स्पष्ट करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

अमेरिका में भी किसान आंदोलन को मिला समर्थन, पीएम मोदी से फैसले पर दोबारा विचार की अपील

वाशिंगटन। भारत में नए कृषि कानूनों को लेकर सरकार और किसान संगठनों में जारी गतिरोध के बीच अमेरिका में विस्कॉन्सिन स्टेट असेंबली के स्पीकर ने नए कृषि कानूनों को लेकर जारी किसानों के आंदोलन का समर्थन करते हुए भारत सरकार से अपने फैसले पर पुन-विचार करने और प्रभावित किसानों की बात सुनने की अपील की है। स्पीकर रॉबिन जे. वॉस ने अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू को एक पत्र लिखकर किसानों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने ऐसा ही एक पत्र भारत में अमेरिकी राजदूत केन जस्टर को भी लिखा है। उन्होंने 04 जनवरी को लिखे पत्र में कहा कि विस्कॉन्सिन और भारत में एक समानता है, बड़ी कृषि अर्थव्यवस्था। हमारे राज्य के किसानों का हमारी अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी कि हम उनकी राय जाने बिना उन्हें प्रभावित करने वाले कानून बनाएं या उनके शांतिपूर्ण इकट्ठे होने के अधिकार के इस्तेमाल में अड़चन डालें। वॉस ने कहा कि उम्मीद है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार अपने फैसले पर पुन- विचार करेगी और किसानों के साथ बैठकर उनकी चिंताएं सुनेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने पिछले महीने भारत में किसानों के प्रदर्शन पर विदेशी नेताओं और राजनेताओं की टिप्पणी पर कहा था कि वह बिना पूर्ण जानकारी के बयान दे रहे हैं। ऐसी टिप्पणियां अनुचित हैं। खासकर, जब यह एक लोकतांत्रिक देश का आंतरिक मामला है। गौरतलब है कि भारत में तीन नए कृषि कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। इसके लिए दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन आज 42वें दिन भी जारी है।

रूस में अब तक 10 लाख लोगों का किया गया टीकाकरण

मास्को। रूस में अब तक स्पुतनिक 5 से 10 लाख लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। रूस ने दिसंबर की शुरुआत में स्वदेशी स्पुतनिक-वी वैक्सीन के साथ स्वैच्छिक टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की थी कि वह भी कोविड 19 के खिलाफ स्पूतनिक-5 का टीका लगवाएंगे। रूस दिसंबर में कोविड-19 वैक्सीन स्पूतनिक-5 को मंजूरी देने वाला दुनिया का पहला देश बन गया था। हालांकि रूस में कोरोना के नए मामले मिलने और मौतों की संख्या में कोई कमी नहीं आ रही है। दुनिया के 10 देशों में कोरोना वैक्सीन लगनी शुरू हो चुकी है। ये देश हैं- अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, रूस, कनाडा, चिली, बहरीन, कोस्टारिका, मैक्सिको और इजराइल। वहीं दुनिया के कई देशों के लोग अभी भी वैक्सीन का इंतजार कर रहे हैं। 68 साल के पुतिन ने रूस की वैक्सीन स्पुतनिक 5 के बारे कहा थ कि रुसी वैक्सीन प्रभावी है और सुरक्षित भी है। मुझे ऐसा कोई कारण दिखाई नहीं देता कि उन्हें ये कोरोना वैक्सीन नहीं लगवानी चाहिए। जब से रूस में कोरोना वायरस का प्रभाव पड़ा है, तब से राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन लोगों से दूरी बनाए हुए हैं। इस दौरान पुतिन ने वीडियो के माध्यम से ही मीटिंग की हैं और कम ही जगहों की यात्रा की है। पुतिन ने कहा कि अगस्त महीने में उनकी बेटी ने कोरोना वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल में हिस्सा लिया था और उसके बाद बेटी को अच्छा महसूस हुआ।

जानें- आखिर किस बात को पूरा न कर पाने का उत्तर कोरिया के तानाशाह किम को रहा मलाल, मानी नाकामी

सियोल (यॉनहॉप)। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपने कड़क स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उन्हें नरम पड़ते हुए, माफी मांगते हुए या किसी के आगे झुकते हुए शायद ही देखा गया है। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि जिस वक्त पूरी दुनिया कोरोना महामारी की जबरदस्त मार झेल रही थी उस वक्त किम जोंग उन ने कहा था कि उनके यहां पर इसका कोई मामला सामने नहीं आया है। लेकिन अब पहली बार किम ने अपनी नाकामी को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया है। दरअसल, तानाशाह किम जोंग उन ने वर्कर्स पार्टी कांग्रेस की शुरुआत में कहा कि वो विकास के लक्ष्यों को पाने में नाकाम रहे हैं। आपको बता दें कि उन्होंने पांच वर्ष में पहली बार पार्टी कांग्रेस का अधिवेशन बुलाया था। इसमें ही उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है।

एजेंसी के मुताबिक प्योंगयांग में हुई आठवीं कांग्रेस में अपना भाषण पढ़ते हुए उन्होंने आने वाले समय में विकास के लक्ष्यों को पाने का संकल्प भी लिया है। गौरतलब है कि ये देश का सबसे बड़ा पॉलिटिकल इवेंट होता है। किम ने इस दौरान कहा कि उत्तर कोरिया पर लगे प्रतिबंधों की वजह से बीते पांच वर्षों में देश का विकास बाधित हुआ है और वो अपने लक्ष्यों को पाने में नाकाम हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में वो इसको दोहराना पसंद नहीं करेंगे। इसका अर्थ बेहद साफ था कि आने वाले समय में सभी लक्ष्यों की पूर्ति को सुनिश्चित करना होगा।

इस अधिवेशन में पार्टी के 250 सदस्यों के अलावा 4750 डेलीगेट्स और करीब 2000 कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों ने हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने ये भी माना कि विकास के लक्ष्यों को न पाने के लिए कुछ हद तक उनकी पार्टी की नीतियां भी जिम्मेदार रही हैं। इस बैठक में उन्होंने आने वाले पांच वर्षों के लिए भावी योजनाओं का खाका भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से उन्हें अपने देश की सीमाओं को पूरी तरह से बंद करना पड़ा है। इसकी वजह से वो इस महामारी को देश में फैलने से रोक सके, लेकिन साथ ही देश को कई गंभीर चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। आपको बता दें कि पार्टी की तरफ से कांग्रेस की सभी अहम निर्णय लेती है।

किम ने कांग्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि बीते पांच वर्षों में काफी मुश्किलें आई हैं। लेकिन अब देश को खुद अपने पांव पर खड़ा करने की जिम्मेदारी है। किम ने कहा कि उन्होंने कुछ बातें सुझाई हैं जिससे हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में आगे बढ़ सकते हैं और दोबारा मजबूत देश बन सकते हैं। आपको बता दें कि किम के नेतृत्व में ये कांग्रेस दूसरी बार बुलाई गई है। किम जोंग उन ने 2011 में अपने पिता किम जोंग इल के निधन के बाद देश के प्रमुख का पदभार संभाला था। इससे पहले वर्ष 2016 में पार्टी कांग्रेस की ये बैठक बुलाई गई थी जो करीब तीन दशक बाद हुई थी।

उत्तर कोरिया में हुए इस अधिवेशन पर प्रतिक्रिया देते हुए दक्षिण कोरिया के मंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उत्तर कोरिया शांति और सहयोग करेगा जिससे दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली को मजबूती मिलेगी। आपको यहां पर ये भी बता दें कि अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और किम जोंग उन के बीच तीन बार शिखर वार्ता हुई थी, लेकिन इसमें हर बार नाकामी हासिल हुई और दोनों ही नेता किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। ।

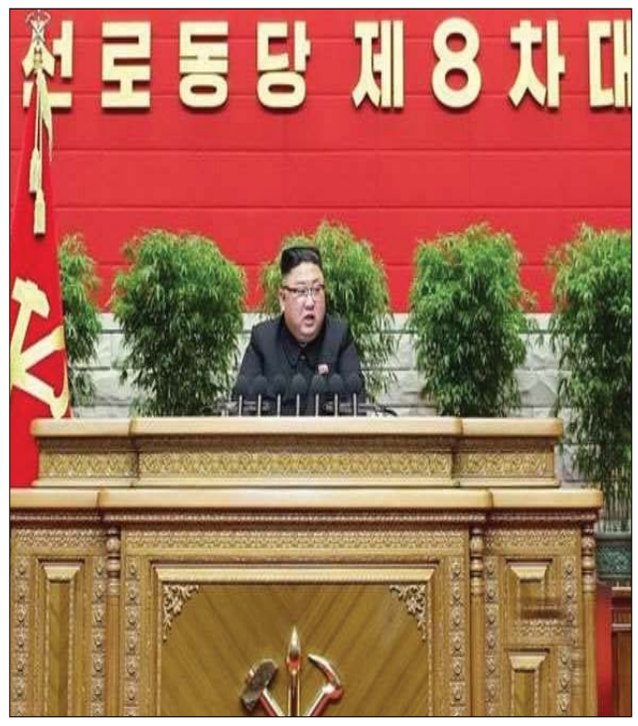

नए साल में भी बना हुआ है कोरोना वायरस का खतरा, बढ़ेगी लोगों की परेशानियां

लंदन। (एजेंसी)।

विश्व में कई स्थानों पर कोविड-19 के लिएटीकाकरण शुरू होने के बावजूद कोरोना वायरस के मामलों के बढ़ने और उसके नए स्वरूप के कारण जनवरी में भी लोगों की परेशानियां कम नहीं होंगी। ब्रिटेन से लेकर जापान तक, जापान से लेकर कैलिफोर्निया तक अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने के लिए जगह नहीं बची है और कुछ सरकारों के फिर लॉकडाउन लगाने से आजीविका का खतरा एक बार फिर उत्पन्न हो गया है। इंग्लैंड में लॉकडाउन लगा दिया गया है। मैक्सिको सिटी के अस्पतालों में मरीजों की संख्या पहले से कई अधिक है। जर्मनी में मंगलवार को वायरस के अभी तक के सर्वाधिक नए मामले सामने आए। दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में शवों का अंतिम संस्कार करने के लिए जगह नहीं मिल रही है।

वहीं थाईलैंड में वायरस के मामले अचानक से तेजी से बढ़ गए हैं। साल के अंत में लोगों के छुट्टियों पर निकलने के कारण कोविड-19 के मामलों में भी बढ़ोतरी आई है। अधिकतर देशों में ब्रिटेन में सामने आए वायरस के नए स्वरूप (स्ट्रेन) के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्रवक्ता डॉ. मार्गरेट हैरिस ने कहा कि जनवरी ''मुश्किलों भरा रहेगा''। वहीं, ब्रिटेन में इस सप्ताह एक दूसरा टीका लगाया गया और कुछ अमेरिकी राज्यों ने दूसरे दौर का टीकाकरण शुरू कर दिया है। वैश्विक स्तर पर टीके की पहुंच बेहद असमान है। आपूर्ति इस वैश्विक महामारी के खात्मे के लिए बहुत कम है, जिससे अभी तक दुनियाभर में 18.5 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महासचिव टेड्रोस अधानोम ने कहा, '' उच्च जोखिम वाली आबादी के लिए दो अत्यधिक प्रभावी तथा सुरक्षित टीकों को जारी कर हम संक्रमण को फैलने से रोकने, मामलों को कम करने, स्वास्थ्य प्रणाली को बचाने और लोगों की जिंदगियां बचाने की दौड़ में हैं।

अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में होगी राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों की गिनती, बाइडेन को किया जाएगा विजेता घोषित

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में बुधवार को तीन नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों की गिनती होगी और आधिकारिक रूप से पुष्टि की जाएगी कि निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन और निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इलेक्टोरल कॉलेज वोटों में जीत हासिल की है। सत्र की अध्यक्षता उपराष्ट्रपति माइक पेंस करेंगे। बहरहाल, हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के सौ से अधिक सदस्य और एक दर्जन से अधिक सीनेटर सहित बड़ी संख्या में रिपब्लिकन सांसद वोटों की गिनती और चुनाव परिणाम को लेकर विरोध जता सकते हैं।

हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने मंगलवार को ''प्रिय साथी पत्र'' में कहा, ''कल जब कांग्रेस की बैठक होगी तो इस जोरदार जीत को मान्यता मिलेगी और जो बाइडेन तथा कमला हैरिस को संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का अगला राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति घोषित किया जाएगा।'' पेलोसी ने कहा कि सत्र के दौरान केवल राज्यों के वोटों की घोषणा की जाएगी और किसी सदस्य के बोलने की कोई भूमिका नहीं होगी।

विशेषज्ञों को चीन आने की नहीं मिल रही मंजूरी, ड्रैगन से निराश डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि वह इस बात से बेहद '' निराशा '' हैं कि चीनी अधिकारियों ने कोविड-19 की उत्पत्ति की जांच करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम को चीन आने की अंतिम मंजूरी अभी तक नहीं दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम ने कहा कि डब्ल्यूएचओ और चीनी सरकार के बीच हुई बातचीत में तय हुए कार्यक्रम के तहत अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के दल के सदस्य पिछले 24 घंटे में अपने-अपने देशों से रवाना हुए। ट्रेडोस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' आज, हमें पता चला कि चीनी अधिकारियों ने दल को चीन में प्रवेश करने के लिए आवश्यक मंजूरी नहीं दी है।'' उन्होंने कहा, '' मैं इस खबर से बेहद निराश हूं, दो लोग रवाना हो गए थे और बाकी सदस्यों को अंतिम क्षण में यात्रा नहीं करने दी गई, हालांकि वे चीन के वरिष्ठ अधिकारियों के सम्पर्क में हैं।''

ट्रेडोस ने कहा कि उन्होंने यह ''स्पष्ट कर दिया'' था कि यह मिशन संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी की प्राथमिकता है और उन्हें यह '' आश्वासन दिया गया था कि चीन इसके लिए आंतरिक प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा कर रहा है''। उन्होंने कहा, '' हम जल्द से जल्द मिशन शुरू करना चाहते हैं।'' विश्वभर के विशेषज्ञों के वुहान पहुंचने की संभावना है, जहां एक साल पहले कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आपात कार्यक्रमों के प्रमुख माइकल रेयान ने कहा कि विशेषज्ञों को मंगलवार से वहां पहुंचना था, लेकिन उन्हें वीजा सहित अन्य आवश्यक मंजूरी नहीं दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से पिछले साल मुलाकात की थी।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड लखवी की गिरफ्तारी का अमेरिका ने किया स्वागत

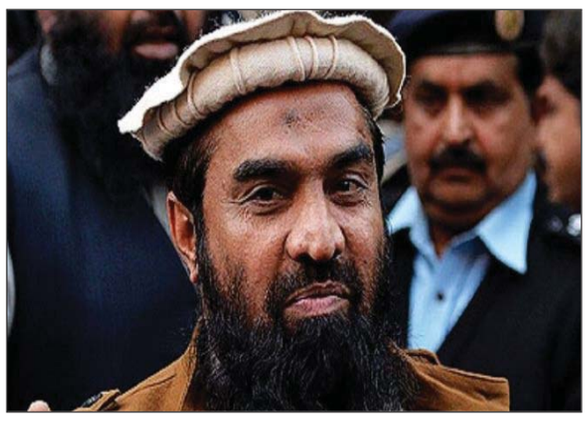

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने मुंबई हमले के मास्टरमाइंड एवं आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी गतिविधियों के कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी की गिरफ्तारी का स्वागत करते हुए कहा कि आतंकवाद के समर्थन एवं वित्तपोषण के लिए उसकी जिम्मेदारी तय करने में यह 'महत्वपूर्ण कदम' है। उल्लेखनीय है कि देश में खुलेआम घूम रहे आतंकवादियों को न्याय के कठघरे में लाने के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच पाकिस्तान ने गत शनिवार को लखवी को गिरफ्तार किया। संयुक्त राष्ट्र से आतंकवादी घोषित लखवी वर्ष 2015 से ही मुंबई हमले मामले में जमानत पर था और पंजाब सूबे के आतंकवाद निरोधक विभाग ने उसे आतंकवाद का वित्तपोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशिया ब्यूरो ने ट्वीट किया, '' हम पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी सरगना जकी-उर-रहमान की गिरफ्तारी का स्वागत करते हैं क्योंकि उसे आतंकवाद एवं उसके वित्तपोषण में उसकी भूमिका के लिए जिम्मेदारी तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।'' विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा, '' हम उसके अभियोजन और सजा देने की प्रक्रिया पर करीब से नजर रखेंगे और आह्वान करते हैं कि उसे मुंबई हमले में भूमिका के लिए उसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

ब्रिटेन की अदालत ने विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को जमानत देने से किया इनकार

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटिश अदालत ने विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। जज ने अंदेशा जताया है कि अगर उसे जमानत दी जाती है तो उसके भागने का खतरा है। बता दें कि सोमवार को इसी अदालत ने असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने का अनुरोध ठुकरा दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अगर ऐसा किया गया तो ना केवल वह खुदकुशी कर सकता है बल्कि उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए ऐसा करना दमनकारी होगा।

डिस्ट्रिक्ट जज वेनेसा बराइटर अपने आदेश में कहा, 'मैं इस बात से पूरी तरह आश्वस्त हूं कि अगर असांजे को रिहा किया गया तो वह दोबारा कोर्ट में दिखाई देगा।' उधर, अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा कि वह असांजे के प्रत्यर्पण को लेकर अपनी कोशिश जारी रखेगा। इस संबंध में उसने बुधवार को एक याचिका कोर्ट में दायर की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

एक दशक पहले सैन्य और राजनयिक दस्तावेजों के प्रकाशन के मद्देनजर विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को अमेरिका में जासूसी के 17 आरोपों और कंप्यूटर दुरुपयोग के एक आरोप का सामना करना रहा है। अगर यह आरोप साबित होते हैं तो उनको अधिकतम 175 वर्ष जेल की सजा हो सकती है।

इस बीच मेक्सिको ने विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को पनाह देने की पेशकश की है। राष्ट्रपति आंद्रेज मैनुएल लोपेज ओब्रादोर ने बीते दिनों कहा था कि वे अपने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से ब्रिटेन से सपंर्क करने को कहेंगे ताकि असांजे की रिहाई की संभावना का पता लगाया जा सके। अगर उनकी रिहाई हो जाती है, तो उन्हें मेक्सिको में शरण दे दी जाएगी। ब्रिटिश अदालत से असांजे को माफ करने का भी अनुरोध किया जाएगा।

माना जा रहा है कि कई और देश असांजे को शरण देने की पेशकश कर सकते हैं। ऐसे प्रस्ताव लैटिन अमेरिकी देशों की तरफ से आ सकते हैं। बता दें कि सोमवार को ब्रिटेन की अदालत ने अमेरिका द्वारा असांजे का प्रत्यर्पण किए जाने का अनुरोध ठुकरा दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यदि ऐसा किया गया तो असांजे खुदकुशी कर सकता है। ऐसा करना दमनकारी होगा। लंदन स्थित इक्वाडोर के दूतावास में सात वर्ष बिताने वाले 49 वर्षीय असांजे अमेरिका में 18 आरोपों का सामना कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छात्र ने अपनी टीचर का फोटो अश्लील

वेबसाइट पर डाला और बताया एस्कॉर्ट

आगरा (एजेंसी)। आगरा में एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले ग्यारहवीं कक्षा के नाबालिग छात्र ने अपनी शिक्षिका वर्ष का फोटो एडिट करके एक अश्लील वेबसाइट पर डाल दिया। साथ

ही शिक्षिका को एस्कॉर्ट बताया और उसका मोबाइल नंबर भी वेबसाइट पर डाल दिया। इसमें रात भर एस्कार्ट करने की फीस *1500* रुपये लिख दी। वेबसाइट पर शिक्षिका का फोटो, मोबाइल नंबर और फीस देखने के बाद सैकड़ों लोगों के शिक्षिका के पास फोन आने लगे। इसके बाद शिक्षिका डिप्रेशन में आ गई और उसे साइबर सेल की मदद लेनी पड़ी। इस करतूत के बाद साइबर सेल ने छात्र समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नाबालिग छात्र और उसके साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि इंग्लिश मीडियम के एक स्कूल में पढ़ने वाले 11वीं कक्षा के छात्र ने ट्यूशन पढ़ने के लिए संपर्क किया। छात्र पूर्व में शिक्षिका के स्कूल में पढ़ा था इसलिए उन्होंने उसे ट्यूशन पढ़ाना स्वीकार कर लिया। छात्र करीब दो महीने शिक्षिका से ट्यूशन पढ़ा और फिर उसने ट्यूशन छोड़ दी। छात्र ने इस दौरान शिक्षिका का मोबाइल नंबर ले लिया था। करीब दो महीने पहले उसने शिक्षिका की फेसबुक पर प्रोफाइल से उनकी कई फोटो ले लीं। इन फोटो को एडिट करके छात्र ने उसे अश्लील वेबसाइट पर उनके मोबाइल नंबर के साथ डाल दिया। छात्र ने शिक्षिका को ताजनगरी की एस्कॉर्ट बताया। शिक्षिका को रात भर एस्कॉर्ट करने के लिए उसकी फीस 1500 रुपये बताई। छात्र की करतूत का शिक्षिका को पता नहीं चला तो वह डिप्रेशन में आ गईं। उन्होंने आगरा पुलिस की साइबर सेल में शिकायत की। साइबर सेल की जांच के बाद नाबालिग छात्र और उसके बालिग आरोपित साथी निवासी रकाबगंज के खिलाफ जगदीशपुरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर जगदीशपुरा बीएन सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

उप्र में निर्भया कांड जैसी वारदात

आंगनवाड़ी सहायिका की गैंगरेप के बाद हत्या

फेफड़े और प्राइवेट पार्ट में गहरे जख्म

बदायूं (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में निर्भया कांड जैसा मामला सामने आया है। यहां एक आंगनवाड़ी सहायिका की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई। उनकी उम्र 50 साल थी। पोस्टमॉर्टम में उनके शरीर में गंभीर चोटें पाई गई हैं। पीडित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हालांकि, अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

पोस्टमॉर्टम में महिला के प्राइवेट पार्ट में रॉड जैसी भारी चीज डालने की पुष्टि हुई है।

बाईं पसली, बाएं पैर और बाएं फेफड़े पर भी वजनदार चीज से हमला करने की बात सामने आई है।

आरोप- दरवाजे पर महिला का शव फेंक गए

घटना उघैती थाना इलाके के एक गांव की है।

पीडित पक्ष का कहना है कि महिला हर दिन की तरह रविवार को भी नजदीक के गांव के मंदिर में पूजा करने गई थीं।

यहां मंदिर के पुजारी, उनके एक चेले और ड्राइवर ने महिला से दुष्कर्म किया।

इसके बाद हत्या कर दी। देर रात पुजारी अपनी जीप से आया और दरवाजे पर महिला का शव फेंककर चला गया।

शव 18 घंटे बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पीडित पक्ष का आरोप है कि उघैती के थानेदार रावेंद्र प्रताप सिंह ने उनकी फरियाद नहीं सुनी।

मौके का मुआयना भी नहीं किया। घटना के करीब 18 घंटे बाद सोमवार दोपहर में लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

इस मामले में एसएसपी संकल्प शर्मा का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें लगाई गई हैं।

यूपी में बदमाशों ने अधेड़ महिला से किया गैंगरेप, प्राइवेट पार्ट में डाली रॉड

बदायूं (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में एक अधेड़ महिला के साथ निर्भया जैसी घटना को अंजाम दिया गया है। बदमाशों ने महिला से गैंगरेप के बाद उसकी हत्या कर दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया। पीड़िता के पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला के गुप्तांग में रॉड जैसी किसी चीज से हमला किया गया, जिससे उसके प्राइवेट पार्ट पर गंभीर चोटें आई हैं। इसके अलावा महिला की पसली और पैर तोड़ दिए गए। साथ ही फेफड़े पर भी वजनदार चीज से हमला किया गया है। इस घटना के बाद मौके पर एसएसपी ने तुरंत एसपी देहात को भेजा और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए *4* टीमें बनाई गई हैं। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर आरोपी महंत समेत उसके एक साथी और ड्राइवर के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने केस दर्ज करने में देरी की। यह घटना रविवार रात की है और महिला का पोस्टमार्टम मंगलवार को हुआ था।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया है। यह वारदात उघैती थाना क्षेत्र के एक गांव की है, यहां एक महिला पास के गांव स्थित एक मंदिर पर रविवार की शाम को गई थी।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

इसके बाद वो लौट कर नहीं आई। स्थानीय लोगों ने कहा कि रविवार रात करीब 12 बजे एक कार सवार और दो अन्य शख्स महिला को लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गए और महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इससे पहले आरोपी महिला को अपनी गाड़ी से इलाज के लिए चंदौसी भी ले गए थे। परिजनों ने सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने कहा कि उघैती के थानेदार रावेंद्र प्रताप सिंह शिकायत के बाद भी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे। सोमवार दोपहर वारदात के *18* घंटे बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

महिला डॉक्टर समेत तीन डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया।

शाम को रिपोर्ट आई तो पता चला कि महिला के प्राइवेट पार्ट में गंभीर चोट थे। काफी खून भी निकल गया था।

रिपोर्ट में कोई वजनदार चीज से वार करने का भी जिक्र है।फिलहाल पुलिस आर्रोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

नोएडा में बदमाशों ने पुलिसकर्मी बन महिला डॉक्टर से हीरे जड़े कंगन ठगे

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में अब बदमाश पुलिस का रूप धारण कर लूट की वारदात को अंजाम देर रहे हैं। मंगलवार को बाइक सवार ठगों ने ट्रफिक पुलिस बनकर एक महिला डॉक्टर से हीरे जड़े कंगन ठग लिये हैं। इस मामले में महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-*20* पुलिस को दी गई शिकायत में महिला डॉक्टर भाटिया ने बताया कि बदमाशों ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए बदमाशों ने उनकी कैब रूकवा कर उनसे कहा कि इस क्षेत्र में हत्या हो गई है। उच्चाधिकारियों का आदेश है कि कोई भी महिला जेवरात पहन कर जा रही है तो गहने उतरवाकर एक लिफाफे में रख दिया जाए।

प्रभारी निरीक्षक आर के सिंह ने बताया कि शिकायत के मुताबिक, शक होने पर भाटिया ने बदमाशों से कहा कि वो पुलिसवाले नहीं दिख रहे हैं, इस पर दोनों बदमाशों ने दूर से अपना एक फर्जी आईकार्ड भी महिला को दिखा दिया।

उन्होंने बताया कि उनके झांसे में आकर महिला डॉक्टर ने अपने कंगन जैसे ही लिफाफे में रखे बदमाशों ने चुपचाप लिफाफा बदल दिया। थाना सेक्टर २० के प्रभारी निरीक्षक आर के सिंह ने बताया कि महिला ने जैसे ही लिफाफा खोला तो उसमें नकली कंगन थे।

उन्होंने बताया कि इस बीच कैब चालक ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वे उसे धक्का देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे और सर्विलांस विधि की सहायता से पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोविड वैक्सीनेशन में नहीं चलेगी जुगाड़ और पॉवर - सीएम योगी

लखनऊ(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में अधिकारियों को सख्त आदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि टीकाकरण में किसी भी तरह का जुगाड़ या पॉवर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के लिए केंद्र सरकार द्वारा तय प्राथमिकता क्रम का हर हाल में पालन किया जाए। कोई भी कितना महत्वपूर्ण व्यक्ति क्यों न हो, तय क्रम आने के बाद ही उसका वैक्सीनेशन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटे जो टीकाकरण को लेकर किसी तरह का भ्रम अथवा अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वैक्सीन को लेकर लोगों में आतुरता स्वाभाविक है, लेकिन इसे लेकर केंद्र द्वारा तय गाइडलाइन का सख्ती से पालन करवाया जाए। कोई भी कितना महत्वपूर्ण व्यक्ति क्यों न हो उसका नंबर आने पर ही वैक्सीन लगाई जाए। बता दें कि मकर सक्रांति से यूपी में टीकाकरण शुरू होगा। पहले तीन दिन में 9 लाख स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाया जाएगा। इनमें डॉक्टर्स, नर्स, मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। इसके बाद सफाई कर्मी, पुलिस कर्मियों को टीका लगाया जाएगा और फिर 50 साल से ऊपर के उन लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी जो गंभीर बिमारियों से ग्रसित हैं। टीकाकरण को लेकर मंगलवार को यूपी में देश का सबसे बड़ा ड्राई रन किया गया। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक टीका लगाने का पूर्वाभ्यास किया गया।

नोएडा में अब सैकड़ों लोगों को मिलेगा रोजगार, 19 नए उद्योग लगेंगे

नोएडा (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा में 19 कंपनियां उद्योगों को लगाने के लिए जमीन मिल गई है। इससे अब सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा और बेरोजगारी में कुछ हद तक कमी आएगी। जानकारी के मुताबिक, इन कंपनियों के आने से 230 करोड़ रुपये का निवेश होगा। 2000 वर्ग मीटर से छोटे आकार के भूखंडों के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दफ्तर में ड्रॉ हुआ। कुल 19 भूखंडों के लिए 53 आवेदन आए थे। पर्ची निकालकर सफल आवेदकों के नाम घोषित किए गए और ड्रॉ की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई थी। इन कंपनियों में सोलर एनर्जी, मोबाइल पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी इकाइयां शामिल हैं। वहीं, सोमवार को भी एलयूएलयू ग्रुप को 20 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। इसमें 200 करोड़ का निवेश और 2000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि ग्रेटर नोएडा में कंपनियों की समस्याओं

को हल करने के लिए 19 जनवरी को जूम एप के जरिये बैठक होगी। इसमें प्राधिकरण के सीईओ शामिल होंगे।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म सिटी ग्रेटर नोएडा में ही बन रहा है। सरकार ने इस फिल्म सिटी के लिए 1000 एकड़ की उपलब्ध कराई है। यमुना एक्सप्रेस वे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण वीर सिंह ने अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं ओद्योगिक विभाग को पत्र लिखकर फिल्म सिटी के उपलब्ध भूमि की जानकारी दी थी। इस पत्र में फिल्म सिटी के लिए यमुना एक्सप्रेस वे ओद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-21 में ओद्योगिक भूखंडों के लिए 780 एकड़ और व्यावसायिक भूखंड के लिए 220 एकड़ यानि कुल 1000 एकड़ भूमि उपलब्ध है।

आने वाले दिनों में जब यहां फिल्म सिटी में हलचल बढ़ेगी तो एक्सप्रेसवे किनारे होटल और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री बूम करेगी। इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

पीएसी कैडेट्स व ऑफिसर्स के लिए मानसिक जागरूकता कार्यक्रम

रिश्ता कैसा भी हो उसे कभी किसी अन्य व्यक्तिसे ना बाटिएं-सेनानायक अनीस अहमद

अलीगढ़ (एजेंसी)। पीएससी 38 परिसर में स्वास्थ्य विभाग एनसीडी सेल के अंतर्गत मानसिक रोग विभाग द्वारा समय-समय पर पीएसी कैडेट्स व ऑफिसर्स के लिए मानसिक जागरूकता कार्यक्रम, स्क्रीनिंग व साइको सोशल कार्यक्रमों का मासिक आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में पीएससी 38 की सभी बटालियंस व अधिकारियों के लिए कार्यक्रम किया गया जिसमें लगभग 250 कैडेट्स ओर ऑफिसर्स ने भाग लिया और कार्यक्रम में सेनानायक अनीस अहमद अंसारी व सह सेनानायक धर्मेन्द्र सिंह चौहान भी उपस्थित रहे। अनीस स्वयं पीएससी के कैडेट्स के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर डॉक्टर अंशु एस सोम से फॉलोअप लेते रहते है सेशन में मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक तनाव विशेषकर नौकरी से जुड़े तनाव से होने वाली मानसिक समस्याओं की जानकारी विस्तार से दी गई और उन्हें जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के विषय में भी विस्तार पूर्वक बताया गया कि जरूरत पड़ने पर वे किसी भी जिला अस्पताल से मदद ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि मानसिक तनाव में उदास रहना बेहद आम समस्या है जो प्रमुखता से दिख जाती है तो यदि आपकी जान-पहचान ओर आपके आसपास कोई व्यक्ति काफी उदास या तनावपूर्ण रहता है, तो उससे बात करें क्योंकि हो सकता है कि वह किसी मानसिक रोग का शिकार हो। दोस्तों, परिवार इत्यादि से अलग रहना भी मानसिक दवाब उत्पन करने का कारण बन सकता है।

कोई व्यक्ति अपने दोस्तों, परिवार इत्यादि से अलग रहता है तो आप एक परिवार कि तरह होने के नाते उससे बात करे और सर्वप्रमुख है की एक दूसरे की व्यक्तिगत बातो की इज्जत रखते हुए रिश्ता कैसा भी हो उसे कभी किसी अन्य व्यक्तिसे ना बाटिएं। अन्यथा ये और तनाव का कारण बनेगा।

आत्महत्या, अत्यधिक गुस्सा आना, आक्रोशित हो जाना, नशा करना, तम्बाकू का सेवन सभी विषयों पर प्रमुखता से बताया गया।

सार-समाचार

गेट की तैयारी कर रहे छात्र की निर्मम हत्या, हाथ-पैर बांधकर टांग दी लाश

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर में बीटेक के छात्र की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को मुआयना किया। यह घटना अहियापुर थाना इलाके के सहवाजपुर की है। जानकारी के मुताबिक, मृतक अभिषेक आनंद बीटेक की पढाई पूरी कर चुका था और फिलहाल गेट की तैयारी कर रहा था। उसके पिता दयाशंकर शाही एक शिक्षक हैं जिस समय ये घटना हुई उस वक्तकोई भी घर में नही था। पिता दयाशंकर स्कूल गये थे तो अभिषेक की मां और बहन शहर गयी हुई थी। बताया जा रहा है कि मां और बहन जब शाम को घर लौटीं तो देखा कि अभिषेक घर के उपर सीढी घर में बीम से लटका हुआ था। उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे और दोनो पैरों को भी रस्सी से बांध दिया गया था। पुलिस ने बताया कि अभिषेक की हत्या करके उसे दूसरा रूप देने के लिए शव को लटका दिया गया है। इस घटना के बाद मृतक के पिता ने मुहल्ले के हीं एक नेता पर बेटे को मरवा देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में सिटी एसपी राजेश कुमार ने कहा है कि परिस्थिति जन्य साक्ष्य हत्या के हैं। इस मामले में परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। शव लटकाए जाने के स्थान को भी फिलहाल सील कर दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए एफएसएल की टीम को घटना स्थल पर पहुंच कर जांच करने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

मंदिर गई महिला से सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या, विपक्ष ने सरकार को घेरा

बदायूं/लखनऊ(एजेंसी)। उप्र के बदायूं जिले में मंदिर में पूजा करने गयी एक आंगनबाड़ी सहायिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस मामले में मंदिर के महंत समेत तीन लोगों के खिलाफ सामूहिक बलात्कार और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में लापरवाही बरतने पर थाना प्रभारी को निलम्बित कर दिया गया है। विपक्षी दलों ने इस घटना को 'निर्भया कांड' से जोड़ते हुए प्रदेश सरकार को घेरा है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली से रिपोर्ट मांगी है।

बदायूं के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बुधवार को बताया कि बीते रविवार को उघैती थाना क्षेत्र के एक गांव में मंदिर गयी ५० वर्षीय एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन ने मंदिर के महंत सत्य नारायण और उसके दो साथियों पर बलात्कार और हत्या का आरोप लगाया है। इस आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनमें से वेद राम और जसपाल को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी महंत फरार है। उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की चार टीम गठित की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शर्मा ने बताया कि इस मामले में लापरवाही बरतने पर वहां के थाना प्रभारी को निलम्बित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला से बलात्कार की पुष्टि हुई है और उसके गुप्तांग में चोट तथा पैर में फ्रैक्चर पाए गए हैं। जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर यशपाल सिंह का कहना है कि महिला की मौत सदमे और अत्यधिक रक्तस्राव की वजह से हुई है।

वारदात की शिकार हुई महिला के बेटे ने बताया कि उसकी मां पिछले रविवार की शाम गांव के ही मंदिर में पूजा करने गई थी। रात करीब 11 बजे मंदिर का महंत दो अन्य लोगों के साथ उसके घर आया और उसकी मां का शव रख दिया। लड़के के मुताबिक घर के लोग महंत सत्य नारायण और उसके साथ आए लोगों से कुछ पूछ पाते, उससे पहले ही वे यह कहकर चले गए कि मन्दिर से घर लौटते समय महिला रास्ते में स्थित एक सूखे कुएं में गिर गई थी। उसकी चीख-पुकार सुनकर उन्होंने उसे कुएं से बाहर निकाला और उसे घर लेकर आए हैं। लड़के का कहना है कि पुलिस को घटना की सूचना सोमवार की सुबह दी गयी थी।

इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बदायूं की घटना का संज्ञान लेते हुए घटना के अभियुक्तों के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने एडीजी, बरेली जोन को घटना के सम्बन्ध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यूपीएसटीएफ को इस घटना की विवेचना में सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देशित किया है।

वहीं अब इस प्रकरण को लेकर राजनीति भी षुरुहो गयी है। प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने इस घटना पर सरकार को घेरते हुए एक ट्वीट में कहा, 'यूपी के बदायूं में पूजा करने गई 50 वर्षीय आंगनवाड़ी सहायिका के साथ सामूहिक बलात्कार और फिर उसके बाद उसकी निर्मम हत्या ने संपूर्ण मानवता को शर्मसार कर दिया है।' पार्टी ने ट्वीट में कहा, 'डूब मरें सत्ताधीश, जो महिला सुरक्षा के सिर्फ झूठे दावे करते हैं। दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा दिला कर न्याय किया जाए।' उधर, बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी इस घटना की निंदा करते हुए एक ट्वीट में कहा, 'उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक महिला के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म व हत्या की घटना अति दुःखद व अति निन्दनीय है। राज्य सरकार इस घटना को गंभीरता से ले व दोषियों को सख्त सजा दिलाना भी सुनिश्चित करे ताकि ऐसी घटना की पुनरावृति न हो।' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने

इस घटना की हाथरस कांड से तुलना करते हुए सरकार को घेरा और ट्वीट किया, 'हाथरस में सरकारी अमले ने शुरुआत में फरियादी की नहीं सुनी। सरकार ने अफसरों को बचाया और आवाज को दबाया। बदायूं में थानेदार ने फरियादी की नहीं सुनी, घटनास्थल का मुआयना तक नहीं किया। महिला सुरक्षा पर यूपी सरकार की नियत में खोट है।'

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

एलओसी के पास 'लॉन्च पैड' पर हैं 400 आतंकवादी, सर्दियों के दौरान कर रहे घुसपैठ की कोशिश

जम्मू। नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार करीब 400 आतंकवादी 'लांच पैड' पर हैं और वे सर्दियों के दौरान जम्मू कश्मीर में घुसपैठ करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि घुसपैठ रोधी ग्रिड आतंकवादियों को भारतीय क्षेत्र में धकेलने के पाकिस्तान के प्रयासों को विफल करता रहा है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सर्दियों में भी आतंकवादियों को भारत में धकेलने की कोशिश कर रहा है, जबकि भारी बर्फबारी के कारण सीमा से सटे पर्वतीय इलाके और दर्रे बर्फ से ढंके हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2020 में 44 आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ किए जाने की खबरें आईं जबकि 2019 में यह संख्या 141 और 2018 में 143 थी। कई प्रमुख रास्तों को बंद कर दिए जाने के साथ ही भारत के घुसपैठ रोधी ग्रिड की सफलता से परेशान पाकिस्तान सेना ने 2020 में 5,100 बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किए। वर्ष 2003 में संघर्ष विराम लागू होने के बाद से यह सर्वाधिक संख्या है। अधिकारियों के अनुसार पाकिस्तानी सेना ने जम्मू एवं कश्मीर में अधिक आतंकवादियों को धकेलने के प्रयास में गोलीबारी की ताकि आतंकवादियों को घुसपैठ में मदद मिल सके।

सीएम योगी ने मुरादनगर श्मशान स्थल दुर्घटना की जांच एसआईटी से कराने के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादनगर श्मशान स्थल की दुर्घटना की जांच एसआईटी से कराने के निर्देश दिये हैं। यह जानकारी बुधवार को यहां एक सरकारी प्रवक्ता ने दी। इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री ने मुरादनगर श्मशान स्थल दुर्घटना में प्रत्येक मृतक के आश्रितों को दस-दस लाख रुपये की आर्थिक मदद और प्रत्येक आवासहीन परिवार को आवास उपलब्ध कराए जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य से सरकारी धन के हुए नुकसान की भरपाई संबंधित ठेकेदार तथा अभियंताओं से करने और अभियुक्तों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे। रविवार को हुए हादसे में 25 लोगों की मौत हो गई थी तथा कई अन्य व्यक्ति घायल हो गये थे। हादसे के बाद मुरादनगर नगर पालिका की ईओ निहारिका चौहान, ठेकेदार अजय त्यागी, जेई चंद्रपाल व सुपरवाइजर आशीष समेत अन्य के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धाराओं में रविवार की रात को रिपोर्ट दर्ज की गई।

मेयर किशोरी पेडणेकर को जान से मारने की धमकी, अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुम्बई। मुम्बई के मेयर और शिवसेना नेता किशोरी पेडनेकर को जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मेयर को पिछले साल 21 दिसम्बर को उनके मोबाइल फोन पर एक व्यक्ति ने फोन कर हिंदी में अभद्र शब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि पेडनेकर ने हाल ही में दक्षिण मुम्बई के आजाद मैदान पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि भादवि की धारा 506-II के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है। पेडनेकर 2019 नवम्बर में मेयर चुनी गयी थीं।

येदियुरप्पा ने मंत्रिमंडल विस्तार का मुद्दा पार्टी हाईकमान पर छोड़ा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने लंबे समय से लंबित मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल को पार्टी हाईकमान पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व इस बारे में फैसला लेगा। उल्लेखनीय है कि इस महीने मंत्रिमंडल विस्तार के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन येदियुरप्पा के इस बयान से माना जा रहा है कि इसमें और देरी होगी। येदियुरप्पा ने मंत्री पद के वादे के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, '' जहां तक मंत्रिमंडल विस्तार की बात है तो केंद्रीय नेता (भाजपा) फैसला लेंगे।'' किसी ने (मंत्री पद आकांक्षी) बयान दिया होगा.... मैं क्यों वादा करूं? स्वाभाविक है जिसे बनना होगा (मंत्री) वह बन जाएगा।''

ममता बनर्जी ने राजभवन जाकर राज्यपाल धनखड़ से की मुलाकात, जानिए इसका महत्व

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार और राज्यपाल जगदीप धनखड़ के बीच जारी रस्साकशी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार शाम राजभवन जाकर धनखड़ से मुलाकात की। सचिवालय स्थित सूत्रों ने इस मुलाकात को 'शिष्टाचार भेंट' करार दिया है। ममता बनर्जी राज्य सचिवालय 'नबन्ना'' से सीधे राजभवन राज्यपाल से मुलाकात करने गईं। राज्य सचिवालय में उच्च पद पर कार्यरत एक अधिकारी ने बताया, ''यह शिष्टाचार मुलाकात थी। इसमें कुछ भी आधिकारिक नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री राज्यपाल को नववर्ष की शुभकामनाएं देना चाहती थीं।''

धरती के घूमने की गति में आया है बदलाव, इसका क्या होगा हम पर असर, जानें एक्सपर्ट की जुबानी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

हम सभी जानते हैं कि धरती अपनी धुरी पर एक चक्कर 24 घंटे में लगाती है। वर्षों से इसी बात को हम सुनते आ रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि धरती के अपनी धुरी पर घुमने के समय में बदलाव आया है। इसमें हैरान होने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन ये एक ऐसी सच्चाई है जिसपर दुनियाभर के वैज्ञानिक भी शोध कर रहे हैं। धरती के अपनी धुरी पर घुमने में आया ये बदलाव पिछले वर्ष जून का है। डेली मेल के मुताबिक पिछले वर्ष जून में धरती के घूमने की गति में 0.5 मिलीसेकेंड की कमी आई है।

वैज्ञानिकों का कहना है 19 जुलाई 2020 का दिन 24 घंटे से 1.4602 मिलीसेकेंड कम था। इससे पहले सबसे छोटा दिन 2005 में दर्ज किया गया था। आपको बता दें कि धरती के घूमने की गति का आंकलन एटॉमिक क्लॉक पर ही लगाया जा सकता है। अब एक बड़ा सवाल है कि क्या इसका असर हमारे जीवन पर या किसी अन्य चीजों पर पड़ेगा। तो इसका जवाब है, नहीं।

नेशनल सेंटर फॉर अर्थ साइंस स्टडीज के चेयरमेन डॉक्टर माधवन राजीवन का कहना है कि धरती की गति में आए इस बदलाव को रोजमर्रा के जीवन में महसूस नहीं किया जा सकता है। उनके मुताबिक इसका असर भी हमारे जीवन पर नहीं पड़ता है। लेकिन वैज्ञानिकों की गणना के लिए ये बदलाव मायने रखता है। हालांकि उनका ये भी कहना है कि इस तरह का बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक होता है जो कुछ दशकों के बाद होता रहता है। इसका असर हमारे पर्यावरण पर भी देखने को नहीं मिलेगा।

आपको बता दें कि वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले कुछ दशकों से धरती के अपनी धुरी पर घूमने की गति मौजूदा समय की अपेक्षा अधिक थी। इसका अर्थ ये है कि पहले धरती तेजी से घूम रही थी और अब इसकी गति में कमी आई है। तेजी से घूमने की वजह से वैज्ञानिकों को इसमें लीप सेकेंड जोड़ने पड़ते थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि 1970 से अब तक इसमें 27 लीप सेकेंड जुड़ चुके हैं। लेकिन अब चूंकि धरती के घूमने की गति कुछ कम हुई है तो इन्हें कम करना होगा अर्थात इन लीप सेकेंड को घटाना होगा। धरती के घूमने की गति के लिहाज से वैज्ञानिकों को एटॉमिक क्लॉक के समय में बदलाव करना होगा। इसके लिए इसमें नेगेटिव लीप सेकेंड जोड़ने होंगे।

चीन की भड़काऊपूर्ण कार्रवाई का दृढतापूर्वक जवाब दिया गया: रक्षा मंत्रालय

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर एक से अधिक क्षेत्रों में यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने की चीनी सेना की ''एकतरफा एवं भड़काऊपूर्ण कार्रवाई'का ''दृढतापूर्वक'' जवाब दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय सैनिक चीनी सैन्यबलों के किसी भी 'दुस्साहस' का जवाब देने के लिए उत्साह से लबरेज है और भारतीय सेना किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए तैयार है तथा सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मुद्दे का समाधान करने के लिए वार्ता आगे बढ़ रही है। गलवान घाटी की झड़प का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीनी पक्ष में भी ''बहुत हताहत हुए।''

गलवाल घाटी में 15 जून को दोनों देशों की सेनाओं के बीच झड़प हो गयी थी जिसमें 20 भारतीय जवान शहीद हो गये थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा, '' वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एक से अधिक क्षेत्रों में यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने की चीनियों की एकतरफा एवं भड़काऊपूर्ण कार्रवाई का दृढतापूर्वक एवं स्थिति को बिना बिगाड़ने वाले तरीके से जवाब दिया गया तथा पूर्वी लद्दाख में हमारे दावे की गरिमा सुनिश्चित की गयी।'' उसने कहा, '' भारतीय सेना ने दोनों देशों के बीच के सभी नियमों एवं संधियों का पालन किया जबकि पीएलए ने अपरंपरागत हथियारों का उपयोग करके तथा भारी संख्या में सैनिकों का जमावड़ा लगा कर स्थिति बिगाड़ी।'' भारत और चीन आठ महीने से पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद में उलझे हैं और उससे उनके रिश्ते बहुत तनावपूर्ण हो गये हैं।

दोनों पक्षों ने इस विवाद के समाधान के लिए कई दौर की कूटनीतिक और सैन्य वार्ता की लेकिन अब तक बात नहीं बन पायी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायुसेना की मदद से भारतीय सेना ने बहुत कम समय से सैनिकों की तैनाती की और बंदूक, टैंक, हथियार, राशन आदि वहां पहुंचाए। पंद्रह जून की घटना के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है, '' गलवान घाटी में एक बड़ी झड़प में 20 बहादुर भारतीय सैनिक शहीद हो गये थे और पीएएल को हमारे क्षेत्र में घुसने से रोका। चीनियों को भी बड़ा नुकसान हुआ था।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा और वास्तवित नियंत्रण रेखा पर दुश्मनों का दृढतापूर्वक मुकाबला किया और उसने लगातार आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए।

लव जिहाद के खिलाफ कानून पर फिलहाल रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, यूपी-उत्तराखंड को नोटिस जारी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट लव जिहाद या धर्म परिवर्तन से जुड़े कानूनों की संवैधानिक वैधता की समीक्षा करने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को लव जिहाद कानून से जुड़े मसले पर सुनवाई हुई। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस अध्यादेश पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ उत्तराखंड सरकार को भी लव जिहाद से जुड़े कानूनों को लेकर नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गैर-कानूनी धर्मपरिवर्तन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में दोनों राज्यों के कानून को सम्मान से जीवन जीने और धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हनन बताते हुए चुनौती दी गई है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट अब इन अध्यादेशों की संवैधानिक वैधता की समीक्षा करने का काम करेगा और यही कारण है कि राज्य सरकारों(यूपी और उत्तराखंड) को नोटिस जारी कर उनका पक्ष मांगा गया है।

आज सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को कहा कि पहले से ही इस मामलों में हाइकोर्ट सुनवाई कर रहा है, जिस पर अदालत ने हाइकोर्ट ना जाकर सीधे सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाने का कारण पूछा।

याचिकाकर्ता की ओर से हाइकोर्ट जाने की बजाय सीधे सुप्रीम कोर्ट में याचिका देने पर अदालत ने आपत्ति जताई।

याचिकाकर्ता की ओर से याचिका में कहा गया है कि इस अध्यादेश पर तुरंत रोक लगा दी जाए, इसकी आड़ में अंतरधार्मिक विवाह करने वाले लोगों को परेशान किया जा रहा है। याचिका में यह भी कहा गया कि लोगों को शादियों से ही उठा लिया जा रहा है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही यूपी सरकार ने धर्म परिवर्तन से जुड़े एक अध्यादेश को मंजूरी दी थी। इसके तहत जबरन धर्म परिवर्तन कराने, लालच देकर या शादी का झांसा देकर धर्म बदलवाने वालों को कड़ी सजा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

प्रणब ने अपनी आखिरी किताब में लिखा, मोदी को असहमति की आवाज सुननी चाहिए

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत प्रणब मुखर्जी का मानना था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को असहमति की आवाज सुननी चाहिए और विपक्ष को समझाने तथा देश को अवगत करानेके लिए एक मंच के रूप में उपयोग करते हुए संसद में अक्सर बोलना चाहिए। मुखर्जी के मुताबिक संसद में प्रधानमंत्री की उपस्थिति मात्र से इस संस्था के कामकाज पर बहुत फर्क पड़ता है। दिवंगत मुखर्जी ने अपने संस्मरण 'द प्रेसिडेंसियल ईयर्स, 2012-2017' में बातों का उल्लेख किया है। उन्होंने यह पुस्तक पिछले साल अपने निधन से पहले लिखी थी। रूपा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक मंगलवार को बाजार में आई। पुस्तक में उन्होंने कहा है, ''चाहे जवाहलाल नेहरू हों, या फिर इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी अथवा मनमोहन सिंह, इन सभी ने सदन के पटल पर अपनी उपस्थिति का अहसास कराया।''

उनके मुताबिक, ''अपना दूसरा कार्यकाल संभाल रहे प्रधानमंत्री मोदी को अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और संसद में उपस्थिति बढ़ाते हुए एक नजर आने वाला नेतृत्व देना चाहिए ताकि वैसी परिस्थितियों से बचा सके जो हमने उनके पहले कार्यकाल में संसदीय संकट के रूप में देखा था।'' मुखर्जी ने कहा कि मोदी को ''असहमति की आवाज भी सुननी चाहिए और संसद में अक्सर बोलना चाहिए। विपक्ष को समझाने और देश को उसके बारे में अवगत कराने के लिए उन्हें इसका एक मंच के रूप में उपयोग करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान वह विपक्षी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ-साथ संप्रग के भी वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार संपर्क में रहते थे और जटिल मुद्दों का समाधान निकालते थे। उन्होंने कहा, ''मेरा काम सुचारू रूप से संसद चलाना था चाहे इसके लिए मुझे बैठकें करना हो या विपक्षी गठबंधन के नेताओं को समझाना हो। जब भी कभी जटिल मुद्दे सामने आए उसे सुलझाने के लिए मैं हर समय संसद में उपस्थित रहता था।''

हालांकि, मुखर्जी ने इस पुस्तक में नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान संसद को सुचारू से चलाने में विफलता को लेकर राजग सरकार की आलोचना की। उन्होंने लिखा है, ''मैं सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कटुतापूर्ण बहस के लिए सरकार के अहंकार और स्थिति को संभालने में उसकी अकुशलता को जिम्मेदार मानता हूं। विपक्ष भी इसके लिए जिम्मेवार था। उसने भी गैर जिम्मेदाराना व्यवहार किया।'' मुखर्जी ने कहा कि उनका सदैव यह मानना रहा है कि संसद में व्यवधान सरकार से अधिक विपक्ष को नुकसान पहुंचाता है क्योंकि व्यवधान करने वाला विपक्ष सरकार को घेरने का अपना नैतिक अधिकार खो देता है। उन्होंने कहा, ''इससे सत्ताधारी दल को व्यवधान का हवाला देकर संसद सत्र को छोटा करने का लाभ मिल जाता है।

कोरोना लॉकडाउन के बाद जम्मू-कश्मीर में बढ़ी पर्यटकों की संख्या

जम्मू। (एजेंसी)।

कश्मीर में पर्यटक आगमन, जोकि कोरोना लॉकडाउन के कारण अप्रैल-जून 2020 के दौरान शून्य हो गई थी, आज इस सर्दी को दिसंबर माह में 13,055 पर्यटक का आगमन हुआ है। बता दें कि यह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के चार महीने बाद दिसंबर 2019 के दौरान कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या से 88त्न की छलांग है। हालांकि, दिसंबर 2020 में पर्यटक आगमन दिसंबर 2018 में 38,024 आगमन की तुलना में अभी भी कम है। पिछले साल 2020 अप्रैल-मई में जहां पर्यटक की संख्या शून्य थी वहीं दिसंबर 2020 में टूरिस्ट की संख्या 4.6 लाख तक बढ़ी। यह संख्या साल 2020 नवबंर में लगभग 2.2 लाख से दोगुना से अधिक है।

विदेशी पर्यटकों ने बढ़ाई शोभा

खबर के अनुसार, अप्रैल 2020 से जम्मू क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों का आना -जाना लगा हुआ है, दिसंबर 2020 में कश्मीर में केवल 89 विदेशी आए, वहीं जुलाई में 11 से लगातार टूरिस्ट की वृद्धि देखने को मिली। एक सूत्र के अनुसार, जम्मू-कश्मीर आने वाले विदेशी लोग भारत में बड़े पैमाने पर निवास करते, या बायो-बबल उड़ानों से आने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। वैसे तो दिसंबर माह में पर्यटन को बढ़ावा देने का श्रेय 12,966 घरेलू पर्यटक यातायात को दिया जाता है, क्योंकि इन घरेलू पर्यटक यातायात के कारण ही कश्मीर में दिसंबर माह में टूरिस्ट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

जम्मू-कश्मीर सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने टीओआई को बताया कि अनुच्छेद 370 के कारण पिछले महीने कश्मीर में पर्यटकों के आगमन में वृद्धि इस क्षेत्र में सामान्य स्थिति का उत्साहजनक संकेत है।अधिकारी ने कहा, 'जब अंतरराष्ट्रीय उड़ानें परिचालन में थीं तब दिसंबर 2019 में कश्मीर आने वाले पर्यटकों की संख्या, दिसंबर 2020 में आने वाले लोगों की तुलना में आधे से भी कम थी।

4 राज्यों में सामने आए बर्ड फ्लू के मामले, बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए परामर्श जारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र ने बुधवार को कहा कि चार राज्यों-केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में 12 स्थानों पर एवियन इन्फ्लुएंजा या बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं तथा बत्तखों, कौओं एवं प्रवासी पक्षियों में बीमारी के और प्रसार को रोकने के लिए परामर्श जारी किया गया है। मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अन्य राज्यों से पक्षियों की असामान्य मौत पर नजर रखने को कहा गया है। बर्ड फ्लू के नए मामले इसलिए भी चिंताजनक हैं क्योंकि अभी कुछ महीने पहले 30 सितंबर 2020 को भारत ने खुद को इस बीमारी से मुक्त घोषित किया था। भारत में बर्ड फ्लू का पहला मामला 2006 में सामने आया था। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान से नमूनों के संक्रमित होने की पुष्टि के बाद चार राज्यों में 12 स्थानों पर एवियन इन्फ्लुएंजा के मामले सामने आए हैं।

देश में जिन 12 स्थानों पर इस बीमारी के मामले सामने आए हैं, उनमें राजस्थान के बारां, कोटा, झालावाड़ क्षेत्रों और मध्य प्रदेश के मंदसौर, इंदौर तथा मालवा क्षेत्रों में कौओं में यह बीमारी पाई गई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा क्षेत्र में प्रवासी पक्षियों में यह संक्रमण पाया गया है तथा केरल में कोट्टायम, अलप्पुझा (चार स्थानों) में बत्तखों में यह बीमारी पाई गई है। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर नजर रखने तथा राज्यों के अधिकारियों द्वारा उठाए जाने वाले एहतियाती और रोकथाम वाले कदमों का दैनिक आधार पर जायजा लेने के लिए नयी दिल्ली में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इसने कहा कि राज्यों से प्राप्त खबरों के अनुसार मध्य प्रदेश और राजस्थान में एवियन इन्फ्लुएंजा से संबंधित राष्ट्रीय कार्ययोजना संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियंत्रण संबंधी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि केरल संबंधित स्थानों पर पांच जनवरी को ही बीमारी नियंत्रण अभियान शुरू कर चुका है तथा संबंधित पक्षियों को मारने की प्रक्रिया जारी है। इसने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मामले में मंगलवार को एक और परामर्श जारी किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि भारत में बर्ड फ्लू बीमारी मुख्यत- सर्दी के महीनों-सितंबर-अक्टूबर से फरवरी-मार्च तक देश में आने वाले प्रवासी पक्षियों के माध्यम से फैलती है और मानव के संबंधित चीजों का प्रबंधन करने (संक्रामक पदार्थों के जरिए) इसके द्वितीयक प्रसार की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसने उल्लेख किया, ''भारत में अभी तक मानव में इस संक्रमण की कोई खबर नहीं है, हालांकि बीमारी पक्षियों से मानव में फैल सकती है। इस बारे में कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है कि एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस प्रदूषित कुक्कुट उत्पाद खाने से मानव में फैल सकता है।'' एवियन इन्फ्लुएंजा संबंधी कार्ययोजना के अनुसार मंत्रालय ने प्रभावित राज्यों को कुक्कुट पालन केंद्रों की जैव सुरक्षा को मजबूत करने, प्रभावित क्षेत्रों को संक्रमणमुक्त करने, पक्षियों के शवों को उचित ढंग से निपटाने, जांच के लिए समय पर नमूने लेने, आगे और निगरानी रखने, निगरानी को मजबूत करने तथा बीमारी को प्रभावित पक्षियों से मानव और कुक्कुट पालन केंद्रों में रह रहे पक्षियों में फैलने से रोकने के लिए सामान्य दिशा-निर्देशों का पालन करने को भी कहा है। मंत्रालय ने राज्यों को पक्षियों की किसी भी असामान्य मौत की सूचना को लेकर वन विभाग के साथ समन्वय करने का भी परामर्श दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)